78वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 | अंक: 247 जयपुर, गुरुवार, 15 अगस्त, 2024 | श्रावण, शुक्ल पक्ष-दशमी, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

रेजिडेंट डॉक्टर्स का कार्य बहिष्कार रहा जारी

जयपुर। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ हुई दरिंदगी और हत्या के विरोध में एसएमएस मेडिकल कॉलेज जयपुर के रेजिडेंट्स डॉक्टर्स का विरोध और कार्य बहिष्कार जारी है। जयपुर एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स इंडिया (जार्ड) के अध्यक्ष डॉ मनोहर सियोल का कहना है कि कोलकाता में जो घटना हुई उससे लगता है कि आज देश में महिला चिकित्सक सुरक्षित नहीं हैं, ऐसे में हमारी मांग है कि केंद्र सरकार चिकित्सकों की सुरक्षा को सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट को लागू करे और जब तक इस एक्ट को लागू करने को लेकर कोई ठोस आश्वासन नहीं मिलेगा, तब तक कार्य बहिष्कार जारी करेगा।

विनेश फोगाट को नहीं मिलेगा सिल्वर मेडल

पेरिस। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट और करोड़ों भारतीयों को दुआएं काम नहीं आईं। विनेश फोगाट को पेरिस ओलंपिक से सिल्वर मेडल नहीं मिलेगा। कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फोर स्पोर्ट्स यानी CAS ने अपना फैसला सुना दिया है। खेल पंचाट ने करोड़ों भारतीयों का दिल तोड़ देने वाला फैसला सुनाते हुए विनेश फोगाट की अपील को खारिज कर दिया है। विनेश फोगाट अब खाली हाथ पेरिस से लौटेंगी। महिलाओं की 50 किलोग्राम भार वर्ग फ्रीस्टाइल कुश्ती के फाइनल से पहले उनको ओवरवेट होने की वजह से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

अवकाश की सूचना

स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को सच बेधड़क कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक 17 अगस्त 2024 को प्रकाशित होगा।
-संपादक

सोनार किले की प्राचीर से गूंजे देशभक्ति के तराने

मुख्यमंत्री ने 'हर घर तिरंगा यात्रा' को दिखाई हरी झंडी

CM ने तिरंगा लहराकर दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

बेधड़क | जयपुर

जैसलमेर का सोनार किया बुधवार को देशभक्ति के रंग में रंगा नजर आया। यहां सोनार किले पर पहुंचे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने हर घर तिरंगा यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अखेपोल गेट से हनुमान सर्किल तक निकली इस यात्रा में मुख्यमंत्री हाथ में तिरंगा थामे शामिल हुए और उन्होंने राष्ट्रीय एकता एवं गौरव का संदेश दिया। यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री का पुष्पवर्षा कर शहरवासियों ने कई स्थानों पर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने हनुमान सर्किल पर बापू की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। हाथों में तिरंगा लहराते हुए बीएसएफ, थल व वायु सेना और पुलिस के जवान तथा बॉर्डर होमगार्ड, एनसीसी कैडेट्स यात्रा में शामिल हुए। बैंड की धुनों और देशभक्ति नारों से सोनार किला गुंजायमान हो गया। विधायक छोटूसिंह भाटी ने सीएम को साफा पहनाकर अभिनंदन किया। यात्रा में उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक महंत प्रतापपुरी आदि शामिल हुए।

पाक सीमा पर तनोट माता के किए दर्शन

सीएम शर्मा जैसलमेर की भारत पाक सीमा पर पहुंचे। जहां उन्होंने तनोट माता मंदिर में दर्शन किए। वहीं, सैनिकों से संवाद किया। सीएम को जैसलमेर में बीएसएफ की बबलियान पोस्ट पर महिलाओं ने रक्षा सूत्र बांधा। सीएम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर जैसलमेर दौरे को लेकर लिखा कि 'स्वर्ण नगरी जैसलमेर आगमन पर एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, देवतुल्य कार्यकर्ताओं व जनता जनार्दन द्वारा किए आत्मीय स्वागत से हृदय अत्यंत प्रफुल्लित हूं।'

सीएम ने दी स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं

मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। शर्मा ने कहा कि आजादी का यह पर्व हमें न केवल स्वतंत्रता सेनानियों के शौर्य व बलिदान की याद दिलाता है, बल्कि यह हमें राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यबोध का भी अहसास कराता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग और संघर्ष के बल पर ही आज हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। हम सभी का कर्तव्य है कि जिस देश की आजादी के लिए हमारे जवानों ने प्राण न्योछावर कर दिए उस राष्ट्र की अखंडता व उन्नति में हम अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं, यही हमारी अमर शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि भी होगी।

एक राष्ट्रपति पुलिस पदक और 14 पुलिस पदक

पहली दफा राजस्थान के कोटे में कटौती की केन्द्र सरकार ने

- हर बार दो आईपीएस अफसरों को राष्ट्रपति पुलिस पदक और 16 पुलिसकर्मियों व अफसरों को पुलिस पदक से किया जाता था सम्मानित
- दस आईपीएस अफसरों के नाम भेजे थे सरकार ने केन्द्र को

बेधड़क | जयपुर

केन्द्र सरकार की ओर से सराहनीय और अति उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दिए जाने वाले राष्ट्रपति पुलिस पदक और पुलिस पदक में पहली दफा राजस्थान की कटौती की गई है। हर बार की तरह अब दो आईपीएस अफसरों को नहीं, बल्कि इस बार एक ही आईपीएस को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित करने की घोषणा की है, जबकि सहरानीय कार्यों के लिए इस बार 16 की जगह 14 पुलिसकर्मियों व अफसरों को चुना गया है। दरअसल, बुधवार को केन्द्र सरकार ने राष्ट्रपति पुलिस पदक व पुलिस पदक से सम्मानित करने के लिए राजस्थान कॉडर के आईपीएस वीके सिंह समेत 15 पुलिसकर्मियों के नामों की घोषणा की है। जबकि पहले 2 आईपीएस अफसरों को राष्ट्रपति पुलिस पदक से 16 पुलिसकर्मियों को पुलिस पदक से सम्मानित करने की घोषणा की जाती रही है।

एडीजी (एसओजी) वीके सिंह

इनको मिलेगा पदक

केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए आदेशों के अनुसार एसओजी के एडीजी वीके सिंह को राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा, जबकि सराहनीय कार्यों के लिए एडिशनल एसपी देवराम, सतीश कुमार यादव और डिप्टी कमांडेंट सुरेन्द्र सिंह को पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। इनके अलावा डिप्टी एसपी दीपचंद साहरण, इंस्पेक्टर दीप्ति जोशी व जय सिंह राव, सब इंस्पेक्टर फतेह सिंह व मनीष चौधरी, हेडकांस्टेबल सुभाष चंद्र, आत्मप्रकाश खेरवाल व गुलजारी लाल, प्लाटून कमांडर हरिओम सिंह और कांस्टेबल बालूराम व सूरज सिंह मीणा को पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा। बता दें कि एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने राजस्थान में बीते 15 साल से जड़ें जमा चुके नकल गिरोह की पहचान की थी। करीब चार महीने पहले एसओजी बीते कुछ सालों में हुए 10 से ज्यादा भर्तियों में गड़बड़ी का दावा किया था।

10 IPS सहित भेजे थे 30 नाम

इस बार सरकार ने एक आईपीएस अफसर व 14 पुलिसकर्मियों को ही सम्मानित करने की घोषणा की है, जबकि राज्य सरकार ने राष्ट्रपति पुलिस पदक के लिए 10 आईपीएस अफसरों और पुलिस पदक के लिए 20 पुलिसकर्मियों के नाम भेजे थे। जिनका सर्विस के दौरान सराहनीय और अति उत्कृष्ट काम था। लेकिन इस बार केन्द्र सरकार ने भेजे गए नामों में से एक की राष्ट्रपति पदक और 2 की पुलिस पदक के लिए कटौती कर दी है। सूत्रों का दावा है कि यह संभवत पहली बार हुआ है।

J&K के डोडा में आतंकियों से मुठभेड़...

सेना के एक कैप्टन शहीद चार दहशतगर्द किए ढेर

एजेंसी | श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में बुधवार को आतंकियों के साथ मुठभेड़ में भारतीय सेना के एक कैप्टन शहीद हो गए, जबकि चार दहशतगर्दों को ढेर कर दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया है कि मुठभेड़ में चार आतंकियों के ढेर होने की आशंका है। दरअसल, कुछ समय पहले तक एक आतंकी ढेर हो गया था, जबकि तीन को सेना के जवानों ने घेर रखा था। डोडा में शहीद होने वाले कैप्टन 48 राष्ट्रीय राइफल्स से थे। एनकाउंटर देर रात तक भी जारी था।

सेना के मुताबिक शहीद कैप्टन दीपक सिंह 48 राष्ट्रीय राइफल से हैं। वह डोडा में असार फॉरेस्ट एरिया में चल रहे एनकाउंटर में टीम को लीड कर रहे थे। 16 जुलाई को भी डोडा के डेसा इलाके में मुठभेड़ के दौरान एक कैप्टन समेत 5 जवान शहीद हुए थे। सेना के मुताबिक डोडा में बुधवार को आतंकी जंगल में एक नदी के पास छिपकर लगातार फायरिंग कर रहे हैं। सुबह वे फायरिंग के दौरान पीछे भाग गए थे। जवानों ने उस जगह से अमेरिकी एम-4 राइफल, एक एके-47 और तीन बैग में विस्फोटक बरामद किए। जम्मू-कश्मीर में बढ़ती आतंकी घटनाओं को लेकर दिल्ली में रक्षा मंत्री ने मीटिंग बुलाई। इसमें एनएसए अजीत डोभाल, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी और सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुख शामिल हुए।

ED के डायरेक्टर बने राहुल नवीन

1993 बैच के IRS अफसर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को 1993 बैच के IRS अफसर राहुल नवीन (57) को प्रवर्तन न्यायालय (ED) का फुल टाइम डायरेक्टर नियुक्त किया है। वे संजय कुमार मिश्रा की जगह लेंगे। बिहार के रहने वाले राहुल अभी ED के एक्टिंग डायरेक्टर का पद संभाल रहे थे। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (ACC) के जारी आदेश में कहा गया कि राहुल का कार्यकाल 2 साल या अगले आदेश तक रहेगा। वे साल 2019 में स्पेशल डायरेक्टर के तौर पर ED में शामिल हुए थे।

जयपुर में आफत की बारिश...

आधी डूबी कारें, तीन फुट तक पानी

- परकोटे में स्कूटी बही, एक किलोमीटर लंबा जाम लगा

बेधड़क | जयपुर

गुलाबी नगर में बुधवार को भारी बारिश के कारण हालात बिगड़ गए। राजधानी जयपुर में बुधवार शाम को करीब 4 घंटे तक हुई भारी बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। सड़कें दरिया बन गईं। कार, बाइक समेत अन्य वाहन तैरते दिखाई दिए। रेलवे स्टेशन पर सभी ट्रैक पानी में डूब गए। और तो और, सचिवालय में भी घुटनों तक पानी भर गया।

शहर के बजाज नगर, मालवीय नगर, महेश नगर, बास बदनपुरा, मोती डूंगरी रोड समेत जयपुर के कई इलाकों में बरसात से सड़कें लबालब हो गईं। कई इलाकों में तीन फीट तक पानी भर गया। परकोटे में काले हनुमान जी मंदिर के बाहर तेज बारिश से स्कूटी बह गई और मंदिर में भी पानी भर गया। मंदिर प्रशासन ने पानी रोकने के लिए तीन लेयर के बैरिकेड्स लगाए, लेकिन पानी अंदर चला गया। शहर के अलग-अलग इलाकों में तेज बारिश के चलते ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। बाईस गोदाम पुलिया के पास करीब 1 किमी लंबा जाम लग गया। जयपुर-दिल्ली हाईवे पर भी पानी भर गया, जिसके कारण जाम की स्थिति बन गई। परकोटा में तेज बारिश के कारण कई इलाकों में बिजली गुल हो गई। जलमहल के सामने लो-फ्लोर बस पानी में बंद हो गई।

सुबह की शुरुआत रिमझिम से हुई

इससे पहले, शहर में सुबह भी रिमझिम बारिश हुई। जयपुर के बगरू में सुबह तेज बारिश के कारण कई जगह जलभराव हो गया। यहां एक स्कूल बस करीब ढाई फीट पानी में फंस गई।

जयपुर सहित चार जिलों में ऑरेंज अलर्ट

मौसम विभाग ने गुरुवार को जयपुर समेत चार जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट, जबकि 23 जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के विशेषज्ञों ने बताया कि 15 अगस्त के बाद राजस्थान में तेज बारिश का दौर धीमा पड़ेगा। हल्की से मध्यम बारिश अलग-अलग इलाकों में जारी रहेगी।

राहत और बचाव में लगी सिविल डिफेंस की टीमें

जयपुर में भारी बारिश के बाद कई इलाकों में हालात बिगड़े हुए हैं। सिविल डिफेंस की टीमें विभिन्न स्थानों पर खास तौर से टीला नंबर 1, 2 और 3 में लोगों से बात कर रही है और राहत और बचाव में अभियान में लगी हुई है।

जरूरी खबर

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाया

जयपुर। महारानी कॉलेज में एनएसएस की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विशेष शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस गीत और एनएसएस क्लैप से हुई। सत्र के पहले एनएसएस कार्यक्रम में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों ने प्राचार्य प्रो. निमाली सिंह को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। प्राचार्य प्रो. निमाली सिंह ने सभी एनएसएस स्वयंसेवकों को कॉलेज की एकता और अखंडता के लिए सदैव खड़े रहने के लिए प्रेरित किया। प्रो. निमाली सिंह ने बताया कि कैसे विभाजन ने भारतीय मानसिकता पर गहरे घाव छोड़े हैं।

राजभवन में सुबह 8.45 बजे होगा ध्वजारोहण

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे गुरुवार, स्वाधीनता दिवस पर राजभवन में प्रातः 8.45 पर ध्वजारोहण करेंगे। राज्यपाल बागडे राजभवन में स्वाधीनता दिवस समारोह में उच्च प्राप्तांक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करने के साथ ही पुस्तके एवं मिठाई का वितरण भी करेंगे। बाद में वह 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण भी करेंगे।

डीजीपी साहू ने दी स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं

जयपुर। देश के 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डीजीपी उत्कल रंजन साहू ने प्रदेशवासियों, राजस्थान पुलिस के अधिकारियों, जवानों और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी है। इस अवसर पर डीजीपी साहू ने अपने संदेश में कहा कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हम आजादी के आंदोलन में निःस्वार्थ भाव से देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अनगिनत शहीदों और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद कर उनके सम्मान में नतमस्तक हो जाते हैं। हमारे अमर शहीदों का त्याग और बलिदान हमें अपने-अपने कर्मक्षेत्र में समाज की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हुए कार्य करने की प्रेरणा देता है।

राज्यसभा उपचुनाव पर मंथन, अधिसूचना जारी होने के साथ ही नामांकन प्रक्रिया शुरू

प्रपोजल हम तैयार करेंगे, अंतिम निर्णय केंद्र का: मदन राठौड़

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में एक राज्यसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर बुधवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। हालांकि पहले दिन किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया। उधर बीजेपी ने उम्मीदवार के नाम को लेकर मैराथन बैठक की।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बैठक के बाद कहा कि प्रदेश सिर्फ प्रपोजल बना कर भेजेगा। अंतिम निर्णय केंद्र को करना है। इसको लेकर जल्द ही कोर ग्रुप की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सामूहिक निर्णय होगा।

कोर ग्रुप केंद्र को भेजेगा नाम

ठौड़ ने कहा कि जब तक कोई निर्णय नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी कहना जल्दबाजी होगा। वैसे भी प्रदेश संगठन सिर्फ अपना प्रपोजल बनाकर दिल्ली भेजेगा, उसके बाद अंतिम निर्णय केंद्र को करना है। राठौड़ ने कहा कि नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। जल्द ही हम कोर ग्रुप की बैठक बुलाएंगे जिसमें सामूहिक रूप से निर्णय लिया जाएगा। कोर ग्रुप में तय नाम को केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जाएगा। वहीं से उम्मीदवार का नाम सामने आएगा। राठौड़ ने कहा कि भाजपा में कोई भी फैसला एक व्यक्ति नहीं लेता है, यहां पर समूह के निर्णय होते हैं। उसी के आधार पर राज्यसभा उम्मीदवार का नाम भी होगा।

राज्यसभा उपचुनाव की अधिसूचना जारी

उम्मीदवारी के लिए आगे नहीं: उधर, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का अचानक बीजेपी कार्यालय पर पहुंचने और मदन राठौड़ के साथ बैठक को लेकर चर्चाएं शुरू हो गई। कयास लगाया जा रहा है कि राजेंद्र राठौड़ उम्मीदवार हो सकते हैं। बैठक में शामिल होने आए राजेंद्र राठौड़ से जब पूछा गया कि क्या वो इस रेस में सबसे आगे हैं, तो उन्होंने कहा कि उम्मीदवार कौन होगा? यह आलाकमान तय करेगा। मैंने अपने आपको उम्मीदवार के लिए आगे नहीं किया है।

उपचुनाव के लिए भाजपा के पास है पूर्ण बहुमत

इस एक सीट पर भाजपा के उम्मीदवार की जीत तय है। बाकी आलाकमान तय करेगा, कौन प्रत्याशी होगा। बता दें प्रदेश में एक राज्यसभा सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुका है। हालांकि बहुमत के आंकड़े के हिसाब से देखें, तो बीजेपी के पास स्पष्ट और पूर्ण बहुमत है। ऐसे में यह माना जा रहा है कि कांग्रेस अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगी, तो भाजपा उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो जाएगा। लेकिन अगर कांग्रेस अपना प्रत्याशी भी उतरती है, तो 3 सितंबर को मतदान होगा, जिसमें जीत बीजेपी की होना तय मानी जा सकती है।

विभाजन विभीषिका पर संगोष्ठी में बोले सीएम शर्मा

भारत का विभाजन दुनिया की सबसे बड़ी विभीषिका में से एक

बेधड़क | जैसलमेर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे देश का विभाजन दुनिया की सबसे बड़ी विभीषिका में से एक था, जिसका दंश लोग आज भी झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि विभाजन के कारण लाखों लोगों को अपना घर परिवार छोड़ना पड़ा और अपनों से बिछुड़ना पड़ा। सीएम शर्मा बुधवार को जैसलमेर में विभाजन विभीषिका पर आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि देश को लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद अंग्रेजों से आजादी मिली। हमारे पूर्वजों ने देश के लिए खुद को समर्पित कर दिया। लाखों लोगों के त्याग और बलिदान के बाद मिली आजादी हमारे लिए अनमोल है, मगर हमें 14 अगस्त का दिन भी नहीं भूलना चाहिए, जिस दिन विभाजन के कारण देश के लाखों लोगों को रातों-रात अपना घर-परिवार छोड़ना पड़ा। शर्मा ने कहा कि विभाजन की सबसे अधिक पीड़ा भारत पाकिस्तान की सीमा पर बसे लोगों को झेलनी पड़ी। युवाओं को विभाजन की त्रासदी से सीख लेकर देश को अखण्ड और एकजुट बनाये रखने के लिए हमेशा तत्पर रहना चाहिए।

पीएम ने समझा विस्थापितों का दर्द

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारे विस्थापित भाई-बहनों की पीड़ा को समझा और सीएए जैसा कानून लेकर आए, ताकि पाकिस्तान बांग्लादेश और अफगानिस्तान में उत्पीड़न का शिकार हो रहे हमारे हिन्दू, सिख, जैन और अन्य अल्पसंख्यक भाईयों को भारत की नागरिकता दी जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार भी ऐसे शरणार्थियों की हर संभव सहायता कर रही है। हमने राज्य बजट में इन विस्थापितों को आवास के लिए 1 लाख रुपये देने की घोषणा की है। साथ ही, इनको शिक्षा और रोजगार के अवसर भी उपलब्ध करवाये जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार संकल्प पत्र में किए हर वादे को पूरा करेगी। परिवर्तित राज्य बजट में विकसित राजस्थान का विजन प्रस्तुत किया गया है। इसमें जैसलमेर को भी कई सौगातें दी गई हैं। उन्होंने कहा कि जैसलमेर में सुविधाओं का विस्तार कर इसे पर्यटन की दृष्टि से और अधिक विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, विधायक महंत प्रतापपुरी, छोटू सिंह भाटी सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हर-घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा कन्सर्ट सांस्कृतिक कार्यक्रम

तिरंगा हमें राष्ट्र की एकता और अखण्डता के लिए करता है प्रेरित

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा हमें राष्ट्र की एकता और अखण्डता को बनाए रखने के लिए प्रेरित करता है। यह हमारे भीतर राष्ट्र गौरव का भाव जगाता है।

उन्होंने कहा कि हर-घर तिरंगा अभियान का उद्देश्य हमारी भावी पीढ़ी को आजादी का महत्व समझाना है, जो हमें हमारे पूर्वजों के त्याग और बलिदान के बाद हासिल हुई है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर हमें हमारे उन शहीदों के बलिदान को याद कर उन्हें नमन करना चाहिए। शर्मा बुधवार को जयपुर

स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में (आरआईसी) पर्यटन विभाग द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 के बाद देश में आया परिवर्तन हम सबने देखा है। गरीब कल्याण, देश का विकास, आतंकवाद का खात्मा और दुनिया में भारत के सम्मान में निरंतर वृद्धि सहित हर आयाम पर हमने प्रगति की है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि हमें लंबे संघर्ष और बलिदान के बाद आजादी मिली है। इसे सुरक्षित रखना हम सब का कर्तव्य है। देश की महिला शक्ति ने हर क्षेत्र में जीत का परचम फहराया है, जो हम सब के लिए गर्व की बात है। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि हमें सीमा पर तैनात जवानों के प्रति आभार व्यक्त करना चाहिए, जिनकी प्रतिबद्धता के कारण हम अमन और चैन के साथ रह पा रहे हैं।

कार्यक्रम में लोक गायक मामे खान ने अपने साथी कलाकारों के साथ देशभक्ति और राजस्थानी लोकगीतों की शानदार प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके द्वारा प्रस्तुत मां तुझे सलाम गीत की प्रस्तुति के दौरान मुख्यमंत्री एवं दोनों उप मुख्यमंत्री सहित सभागार में उपस्थित लोगों ने अपने मोबाइल फोन की फ्लेश लाइट जलाकर कलाकारों की हौसला हफजाई की। इस अवसर पर सांसद मंजू शर्मा, अतिरिक्त मुख्य सचिव ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज अभय कुमार, प्रमुख शासन सचिव पर्यटन गायत्री राठौड सहित विभिन्न अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने 'किसान साथी' एप का किया शुभारंभ

किसान साथी एप से रखी जाएगी पार्वती सिंचाई परियोजना पर नजर

बेधड़क | जयपुर

राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर आरआईसी में रन अप कार्यक्रम के तहत जल शक्ति मंत्रालय तथा राज्य सरकार के जल संसाधन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में सम्मेलन आयोजित हुआ। इस अवसर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश के जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि विभिन्न विभागों में अंतरिक्ष विज्ञान के उपयोग बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जल संसाधन तथा जल प्रबंधन में भी अंतरिक्ष विज्ञान का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है। इस मौके पर रावत ने किसान साथी ऐप का शुभारंभ किया। इस ऐप के माध्यम से पार्वती सिंचाई परियोजना के कमांड क्षेत्र के किसानों को लाभ मिल सकेगा और धौलपुर, बाड़ी एवं बसेड़ी विधानसभा क्षेत्र के 132 गांवों के लगभग 72 हजार किसान लाभान्वित होंगे। ऐप को राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की के सहयोग से विकसित किया गया है। इस अवसर पर जयपुर के विभिन्न विद्यालयों में प्रश्नोत्तरी व ड्रॉइंग की प्रतियोगिता में प्रत्येक विद्यालय के प्रथम तीन विजेताओं को पुरस्कार दिया गया एवं पुरस्कृत ड्राइंग को आरआईसी प्रदशनी में प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में राज्य सरकार व भारत सरकार के विभागों के लगभग 100 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। इनमें वैज्ञानिक, अभियंता, उद्योग प्रतिनिधि छात्र व किसान शामिल हैं। सम्मेलन में जल के क्षेत्र में अंतरिक्ष के योगदान पर वैज्ञानिकों, अभियंताओं तथा विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुतियां भी दीं। का इस दौरान एसीएस अभय कुमार ने कहा कि राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस की थीम है "चाँद को छूते हुये जीवन को जीना" चन्द्रयान की सफल लैण्डिंग किए जाने पर आने वाली 23 अगस्त को समारोह की तरह मनाने का दिन है।

'किसान साथी' ऐप की मुख्य खासियत

- ऐप केवल कमांड क्षेत्र के किसानों के लिए उपलब्ध होगा।
- स्वामित्व विवरण के साथ फसल की जानकारी प्राप्त होगी।
- जियो-टैग किए गए साक्ष्य के साथ पानी चोरी की रिपोर्ट की जा सकेगी।
- नहर संबंधी मुद्दों की जल संसाधन विभाग को रिपोर्ट की जा सकेगी।
- मंडी भाव की जानकारी व लाइव मौसम की जानकारी प्राप्त होगी।
- बांध व नहर में जल की स्थिति उपलब्ध रहेगी।

स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हुआ ऐलान

भजनलाल सरकार 87 पुलिस कर्मियों को देगी राजस्थान पुलिस सेवा पदक

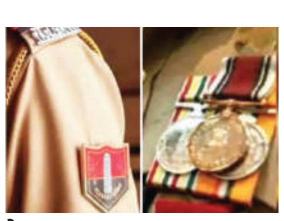

बेधड़क | जयपुर

राज्य सरकार द्वारा 78वें स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेश के 87 पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को राजस्थान पुलिस सेवा पदक देने की घोषणा की गई है। इनमें 3 पुलिस निरीक्षक एवं कंपनी कमांडर, 8 उप निरीक्षक व प्लाटून कमांडर, 13 सहायक उप निरीक्षक, 41 हेड कांस्टेबल एवं 22 कांस्टेबल शामिल है। पुलिस महानिदेशक यूआर साहू द्वारा इस संबंध में बुधवार को आदेश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार यह पदक आगामी वर्ष में राजस्थान पुलिस दिवस परेड के अवसर पर दिए जाएंगे। साहू ने सभी पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

इन्हें मिलेगा राजस्थान पुलिस सेवा पदक

पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर के कंपनी कमांडर राजेंद्र सिंह, एसओजी में पुलिस निरीक्षक विजय कुमार राय, फिंगरप्रिंट ब्यूरो एससीआरबी में पुलिस निरीक्षक रक्षित कोठारी, चतुर्थ बटालियन आरएसी में प्लाटून कमांडर राम सिंह, अपराध शाखा रेंज कार्यालय जोधपुर में उपनिरीक्षक मनीष चौधरी, जिला बांसवाड़ा में उप निरीक्षक रघुवीर सिंह जाट, जीआरपी उत्तर जोधपुर में उप निरीक्षक मनोज कुमार राजपूत, पुलिस आयुक्तालय जयपुर में उपनिरीक्षक इंद्रा अहलावत, सातवीं बटालियन आरएसी भरतपुर में प्लाटून कमांडर फौरन सिंह, एसडीआरएफ में प्लाटून कमांडर अमर सिंह, जिला राजसमंद में उप निरीक्षक कमलेंद्र सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक जिला श्रीगंगानगर में सहायक उप निरीक्षक राज सिंह, पुलिस लाइन राजसमंद में सहायक उप निरीक्षक सुभाष चंद्र शर्मा, जोधपुर में सहायक उप निरीक्षक छगनलाल, पुलिस थाना रानोट जिला जैसलमेर में सहायक उप निरीक्षक खुशाल चंद, पुलिस लाइन अजमेर में सहायक उप निरीक्षक राजाराम, कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू में सहायक उप निरीक्षक सुरेश कुमार, पुलिस लाइन अजमेर में सहायक उप निरीक्षक सरफराज मोहम्मद, पुलिस थाना नया शहर बीकानेर में सहायक उप निरीक्षक राम भरोसी, कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पोकरण जिला जैसलमेर में सहायक उप निरीक्षक खेत सिंह भाटी, जिला प्रतापगढ़ में सहायक उप निरीक्षक प्रताप सिंह मीणा, अपराध शाखा सवाई माधोपुर में सहायक उप निरीक्षक तपस्या योगी, जिला जोधपुर ग्रामीण में सहायक उप निरीक्षक हरा राम एवं आरआरएफ जिला जोधपुर ग्रामीण में सहायक उपरीक्षक गणेश राम शामिल है।

इसी प्रकार तीसरी बटालियन आरएसी के हेड कांस्टेबल होशियार सिंह, प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर में हेड कांस्टेबल चतुर सिंह, हाड़ी रानी महिला बटालियन आईआर अजमेर में हेड कांस्टेबल मोहनलाल मीणा, प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर में हेड कांस्टेबल कर्ण बहादुर सोनी, छठी बटालियन आरएसी धौलपुर में हेड कांस्टेबल रामबाबू, आठवीं बटालियन आरएसी आईआर दिल्ली में हेड कांस्टेबल बीर सिंह, आठवीं बटालियन आरएसी दिल्ली में हेड कांस्टेबल बलदेव सिंह, आरपीटीसी जोधपुर में हेड कांस्टेबल करण सिंह, पुलिस आयुक्तालय जयपुर में हेड कांस्टेबल घासीराम, पुलिस लाइन झुंझुनू में हेड कांस्टेबल आत्म प्रकाश खैरवाल, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल अलवर में हेड कांस्टेबल विजय सिंह, पुलिस कमांडो ट्रेनिंग स्कूल जोधपुर में हेड कांस्टेबल गोरखाराम, पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में हेड कांस्टेबल पैप सिंह, 11वीं बटालियन आरएसी दिल्ली में हेड कांस्टेबल ओमप्रकाश, पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में हेड कांस्टेबल रामनिवास, प्रथम बटालियन आरएसी जोधपुर में हेड कांस्टेबल संपत लाल, थाना सुल्ताना जिला झुंझुनू में हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार, कार्यालय उपाधीक्षक एससी एसटी सेल अजमेर में हेड कांस्टेबल ओम नारायण मेघवाल, पुलिस आयुक्तालय जयपुर में हेड कांस्टेबल जल सिंह, कार्यालय एससी एसटी सेल जैसलमेर में हेड कांस्टेबल गोरखाराम, थाना नाचना जिला जैसलमेर में हेड कांस्टेबल हीरा राम, थाना भवानी मंडी झालावाड़ में हेड कांस्टेबल शेर सिंह, पुलिस लाइन चूरू में हेड कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह, एसओजी जयपुर में हेड कांस्टेबल जितेंद्र शर्मा, कार्यालय महानिरीक्षक अजमेर में महिला हेड कांस्टेबल संगीता चौधरी, कार्यालय पुलिस अधीक्षक श्रीगंगानगर में हेड कांस्टेबल रामावतार मीना, सीआईडी सीबी रेंज सेल जोधपुर में हेड कांस्टेबल चन्द सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक झालावाड़ में हेड कांस्टेबल शैलेंद्र सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक अजमेर में हेड कांस्टेबल नवीन गौड़, कार्यालय पुलिस अधीक्षक अजमेर में हेड कांस्टेबल कमलेश, कार्यालय महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर में हेड कांस्टेबल विमलेश कुमार, कार्यालय पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर में हेड कांस्टेबल नीरज गुप्ता, दसवीं बटालियन आरएसी बीकानेर में हेड कांस्टेबल प्रदीप कुमार मीणा, पुलिस ट्रेनिंग स्कूल जोधपुर में हेड कांस्टेबल बाबूराम, कार्यालय पुलिस आयुक्त जोधपुर में हेड कांस्टेबल भीम सिंह, पांचवी बटालियन आरएसी में हेड कांस्टेबल हनुमान लाल सेवदा, कार्यालय पुलिस अधीक्षक बारां में हेड कांस्टेबल सत्येंद्र सिंह, साइबर सेल जैसलमेर में हेड कांस्टेबल भीमराव सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक अलवर में हेड कांस्टेबल प्रीतम सिंह, पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में हेड कांस्टेबल संदीप कटेवा एवं जिला प्रतापगढ़ में हेड कांस्टेबल सांवरमल बघाला का चयन किया गया है। इसी प्रकार पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में कांस्टेबल गोविंद सिंह राजपूत, छठी बटालियन आरएसी धौलपुर में कांस्टेबल भरत लाल मीणा, कार्यालय अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक झुंझुनू में कांस्टेबल गुलझारी लाल, नवीं बटालियन आरएसी टोंक में कांस्टेबल बाबूलाल, 13वीं बटालियन जेल सुरक्षा जयपुर में कांस्टेबल सुभाष चंद्र, छठी बटालियन आरएसी धौलपुर में कांस्टेबल रघुवीर प्रसाद मीणा, राजेंद्र प्रसाद व कोक सिंह, 13वीं बटालियन जेल सुरक्षा जयपुर में कांस्टेबल राजेश कुमार, पुलिस आयुक्तालय जयपुर में महिला कांस्टेबल सुनील यादव, पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में कांस्टेबल आरमोरर प्रेमपाल सिंह, पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में कांस्टेबल चालक पूरन सिंह राजपूत, रिजर्व पुलिस लाइन अजमेर में कांस्टेबल चालक दुर्गा लाल, दसवीं बटालियन आरएसी बीकानेर में कांस्टेबल भंवरलाल बिश्नोई, पांचवी बटालियन आरएसी जयपुर में कांस्टेबल गिर्राज प्रसाद बेरवा, 10वीं बटालियन आरएसी बीकानेर में कांस्टेबल श्यामलाल व मंगल सिंह, कार्यालय पुलिस अधीक्षक अजमेर में कांस्टेबल प्रेम सिंह राठौड़, जिला स्पेशल टीम झालावाड़ में कांस्टेबल रामरतन मेहरा, राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में महिला कांस्टेबल अनोप कुमारी, कार्यालय पुलिस अधीक्षक सवाई माधोपुर में महिला कांस्टेबल ज्योत्सना सिंह एवं कार्यालय महा निरीक्षक पुलिस रेंज अजमेर में कांस्टेबल चालक पृथ्वी सिंह रावत को राजस्थान पुलिस सेवा पदक के लिए चुना गया है।

SWAMI KESHVANAND INSTITUTE OF TECHNOLOGY, MANAGEMENT & GRAMOTHAN

SKIT
असतो मा सद्गमय

Swami Keshvanand (1883-1972)

(An Autonomous Institute, Affiliated to RTU, Kota)

Recognized by UGC under section 2(f) of the UGC act 1956, Approved by AICTE, New Delhi

Creating Winners for Life

A++ GRADE BY NAAC
The Only Affiliated Technical Institute In Rajasthan With 3.67 CGPA on 4 Point Scale

RANKED NO. 1 BY RTU KOTA
First Rank in Engineering Program for 7th consecutive years by RTU, Kota (2017-18 to 2023-24)

NBA Accredited
Engineering Programmes Accredited by National Board of Accreditation and IE (INDIA)

AN AUTONOMOUS INSTITUTE
The only Affiliated Self Financed Technical Institute of RTU Kota in Rajasthan with an Autonomous Status from UGC

850+ Record Placements

47 LPA Highest Package

Courses Offered

- B.Tech
  REAP College Code 1031
  REAP 2024 Official website : www.reapbtech24.com
- B.Tech (Lateral Entry in 2nd year)
- M.Tech. — AICTE GATE SCHOLARSHIP Rs. 12,400 p.m. (up to 24 months) for GATE qualified candidates only
- MBA • Ph.D

ADMISSIONS OPEN 2024-25

Sunday open
9 AM to 4 PM
admissions@skit.ac.in

Admissions Helpline
B.Tech. : 8505003008
M.Tech., Ph.D : 9799884938
MBA : 9680080686, 8302020007

Ramnagaria, Jagatpura, Jaipur-302017 (Rajasthan) | Website : www.skit.ac.in

जोधपुर में बीएसएफ जवानों ने ऊंट पर बैठकर निकाली तिरंगा रैली

तिरंगा रैली में गूंजा 'सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा'

बेधड़क | जोधपुर

देशव्यापी हर घर तिरंगा अभियान के तहत बुधवार को प्रदेशभर में तिरंगा रैली आयोजित की गई। तिरंगा रैली में शामिल लोगों ने आमजन को अपने घर एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराने का संदेश दिया। जोधपुर में हर घर तिरंगा अभियान के तहत बीएसएफ जवानों ने तिरंगा यात्रा निकाली। इसमें में दो हजार जवानों ने भाग लिया। इस दौरान ऊंट पर सवार बीएसएफ के जवानों के दस्ते ने भी हिस्सा लिया। इसका नेतृत्व डिप्टी कमांडेट मनोहरसिंह खींची ने किया। जवान तिरंगे में सजे धजे ऊंटों पर बैठे थे और भारत माता की जयकारों का नारा लगा रहे थे। इसके अलावा बाकी जवानों के हाथों में भी तिरंगा था। प्रशिक्षण केंद्र से रैली की शुरुआत डीआईजी एमए जॉय, कमांडेट देवेंद्र सिंह ने की।

ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह से निकाली तिरंगा रैली

अजमेर। अजमेर दरगाह बाजार में तिरंगा वितरण कार्यक्रम के माध्यम से देशभक्ति के साथ कौमी एकता का भी संदेश दिया गया। दरगाह के मुख्य निजाम गेट से तिरंगा रैली में स्थानीय लोग शामिल हुए। इसमें आठ साल के बच्चे से लेकर 80 वर्ष तक के लोगों ने हिस्सा लिया। दरगाह आने वाले जायरीन को दरगाह बाजार में रैली में शामिल लोगों ने झंडे वितरित किए। साथ ही लोगों से राष्ट्रीय पर्व मनाने की अपील भी की गई। रैली में शामिल मदरसे की बालिकाओं ने देश भक्ति के तराने सुनाकर माहौल में उत्साह और उमंग भर दिया। समिति के सह संयोजक नवाब हिदायतुल्लाह ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस से एक दिन पहले ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह के निजाम गेट से लेकर दरगाह बाजार और धान मंडी तक तिरंगा रैली निकाली गई।

बाड़मेर में मुस्लिम समाज ने निकाली तिरंगा रैली

बाड़मेर। बाड़मेर शहर में बुधवार को मुस्लिम समाज की ओर से तिरंगा रैली निकाली गई। इस रैली में मुस्लिम समाज के लोगों ने हाथों में तिरंगा लेकर हर घर तिरंगा लगाने का संदेश दिया। रैली के दौरान समाज के बच्चों में जबरदस्त तरीके का उत्साह देखने को मिला। बच्चे हाथों में तिरंगा लेकर सारे जहां से अच्छा हिंदुस्तान हमारा गीत गुनगुनाते हुए चल रहे थे। रैली में शहर के गांधी चौक स्थित जामा मस्जिद से रवाना हुई। रैली विभिन्न मार्गों से होती हुई पुनः जामा मस्जिद पहुंचकर समाप्त हुई। तिरंगा रैली का शहरवासियों ने पुष्प वर्षा का स्वागत किया। जामा मस्जिद के पेश इमाम हाजी लाल मोहम्मद सिद्दीकी ने बताया कि सरकार की ओर से 'हर घर तिरंगा' अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत बुधवार को बाड़मेर शहर तिंरगा रैली निकाली गई। उन्होंने कहा कि हर नागरिक के दिल में मुल्क के प्रति प्यार और मोहब्बत है, इसलिए हर घर तिरंगा झंडा लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुल्क की मोहब्बत सबसे पहले है। वतन से मोहब्बत करना यह इमाम का हिस्सा है। इसी तरह पीजी कॉलेज के छात्र नेता मुकेश डूडी के नेतृत्व में भी शहर में एक तिरंगा वाहन रैली निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया।

BJP ने निकाली रैली, घर-घर लहराने का संदेश

धौलपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा एवं धौलपुर भाजपा के तत्वावधान में तिरंगा रैली निकाली गई। तिरंगा रैली में शामिल भाजपा पदाधिकारियों तथा अन्य कार्यकर्ताओं ने आमजन को अपने घर एवं प्रतिष्ठान पर तिरंगा फहराने का संदेश दिया। शहर के मयूरी विशेष विद्यालय में तिरंगा वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहीं रेडक्रास सोसाइटी ने भी आमजन से स्वाधीनता दिवस के मौके पर तिरंगा लहराने का आह्वान किया। शहर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय महाराणा से शुरू हुई तिरंगा रैली विभिन्न इलाकों से गुजरती हुई भार्गव वाटिका परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। इस मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वाधीनता दिवस के मौके पर देशवासियों से हर घर तिरंगा फहराने का आह्वान किया है।

जरूरी खबर

बीकानेर के पूर्व महाराजा की प्रतिमा का अनावरण आज

बीकानेर। बीकानेर रियासत के पूर्व महाराजा गंगासिंह की प्रतिमा का अनावरण स्वतंत्रता दिवस पर बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र की विधायक सुश्री सिद्धि कुमारी करेंगी। सादुल क्लब के सचिव हनुमान सिंह राठौड़ ने बताया कि हर साल की भांति सादुल क्लब परिसर में स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा। सुबह 8:30 बजे ध्वजारोहण होगा और इसके बाद महाराजा गंगा सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा और इसी दिन क्लब के सभी सदस्यों का स्नेह मिलन भोज रात्रि को 7 बजे से किया जाएगा। राठौड़ ने बताया महाराजा गंगासिंह की अष्टधातु की प्रतिमा को जयपुर से बनवाया गया है।

झुंझुनूं में धारदार हथियार से मां-बेटे की हत्या

झुंझुनूं। झुंझुनूं में एक बार फिर खौफनाक वारदात सामने आई है। यहां एक बार फिर डबल मर्डर से इलाके में हड़कंप मच गया। मां-बेटे की धारदार हथियारों से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। बदमाशों ने अजय (25) और उसकी मां माया (45) पर हमला किया। वारदात में अजय की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल माया ने जयपुर में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। यह घटना झुंझुनूं जिले के हमीरी कलां गांव की है। पुलिस ने आपसी रंजिश के कारण हत्या की आशंका जताई है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हिंसा को लेकर सर्व हिंदू समाज का प्रदेशभर में प्रदर्शन

प्रदेशभर में निकाली जन आक्रोश रैली

बेधड़क | उदयपुर

बांग्लादेश में हिंदुओं के हो रहे नरसंहार के खिलाफ बुधवार को उदयपुर में सर्व हिंदू समाज ने आक्रोश रैली निकाल कर प्रदर्शन किया। इस दौरान कुछ बाजारों को छोड़कर व्यापारियों ने दो घंटे के लिए व्यवसाय स्वैच्छिक रूप से बंद रखा।

सर्व हिंदू समाज की ओर से आहूत इस आक्रोश रैली का नेतृत्व संत समाज ने किया। संत समाज की सुबह 10 बजे नगर निगम प्रांगण में सभा हुई और इसके बाद सर्व हिंदू समाज के लोग नारे लगाते हुए रैली के रूप में निकले। आक्रोश रैली नगर निगम से रवाना होकर सूरजपोल, बापू बाजार, देहलीगेट होते हुए जिला कलेक्ट्रेट पहुंची। वहां पर हिंदू मैदिनी ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान संत समाज ने जिला कलेक्टर की अनुपस्थिति में अतिरिक्त जिला कलेक्टर को राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बांग्लादेश में निवासरत हिंदुओं की सुरक्षा के साथ देश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी लोगों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई। इस दौरान उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा सहित कई जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ता, पदाधिकारी शामिल थे।

कोटा की सड़कों पर उतरा सर्व हिंदू समाज

कोटा। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार के विरोध में कोटा शहर में सर्वहिंदू समाज द्वारा रैली निकालकर प्रदर्शन किया गया। संतों के सान्निध्य में सर्व हिंदू समाज के नागरिक सीएडी ग्राउंड पर एकत्रित हुए। वहां से नारेबाजी के साथ संभागीय आयुक्त कार्यालय पहुंचकर उन्हें राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। रैली में भगवा पगड़ी और अरुण पताकाओं के साथ शामिल नागरिकों ने हाथों में पोस्टर, बैनर और तख्तियां लेकर बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की। संभागीय आयुक्त कार्यालय पहुंचकर कार्यकर्ताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ और रामधुनी की। बाद में संभागीय आयुक्त को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा।

आक्रोश रैली निकालकर किया प्रदर्शन

चाकसू। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों के विरोध में बुधवार को चाकसू कस्बे में हिंदू समाज ने विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान हिंदू जागरण के लिए आक्रोश रैली निकाली गई, जो सब्जी मंडी से शुरू हुई और मुख्य बाजार से अंबेडकर सर्किल कोटखावदा मोड़ पहुंची। इस दौरान लोगों ने आधा दिन तक बाजार बंद रखकर अपना विरोध जताया। इस दौरान विधायक रामावतार बैरवा, वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व कृषि मंडी अध्यक्ष कैलाश शर्मा, पार्षद त्रिवेणी श्याम शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग रैली में शामिल हुए। सभी ने हिंदू समाज को एकजुट होने का संदेश दिया और सनातन धर्म की रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। कोटखावदा मोड़ पर उपखंड अधिकारी शिवचरण शर्मा को ज्ञापन सौंपा गया।

UAE की करेंसी के बदले ठगे 17 लाख

कोटा में पकड़ा मुंबई पुलिस की हिरासत से भागा बदमाश

बेधड़क | जयपुर/कोटा

मुंबई पुलिस की हिरासत से फरार मुल्जिम मोहम्मद फायक हुसैन उर्फ वासिफ पुत्र मोहम्मद इसहाक (30) निवासी गादीवली पश्चिम मुंबई को कोटा जिले की भीमगंज मंडी थाना पुलिस, डीएसटी एवं साइबर टीम द्वारा डिटेन कर मुंबई क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है। आरोपी दुबई की करेंसी दिरहम को रुपए में बदलने का झांसा देकर ठगी करने वाले गिरोह का सदस्य है।

एसपी डॉ. अमृता दुहन ने बताया कि बुधवार को क्राइम ब्रांच बांद्रा मुंबई यूनिट 9 के एपीआई श्रीराम घोडके ने एसएचओ रामकिशन गोदारा को मुल्जिम मोहम्मद फायक हुसैन उर्फ वासिफ की फोटो व्हाट्सएप पर शेयर कर उसके थाना भीमगंज मंडी में होने की सूचना दी। ठगी के मामले में पकड़े गए आरोपी के पुलिस हिरासत से फरार होने पर थाना डीएन नगर अंधेरी जिला मुंबई शहर में केस दर्ज हुआ था। आरोपी के भीमगंज मंडी थाना क्षेत्र में होने की सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सैनी व सीओ गंगासहाय शर्मा के सुपरविजन में एसएचओ रामकिशन गोदारा मय डीएसटी, साइबर सेल द्वारा बजरिया इलाके में सभी होटलों को चेक किया। उसके बाद रेलवे स्टेशन पर तलाश की। पुराने रेलवे पंप हाउस के पास व्हाट्सएप पर प्राप्त फोटो के हुलिये का एक व्यक्ति दिखाई दिया। आरोपी को फोटो के आधार पर पहचान कर डिटेन कर मुंबई क्राइम ब्रांच को सूचना दी गई। मुंबई से पहुंची टीम को आरोपी को सुपुर्द कर दिया गया।

बांध पर कई दिनों से चल रही है छह इंच की चादर

पांच साल बाद मोरेल बांध लबालब...कई गांवों मिलेगा फायदा

बेधड़क | दौसा

जिले के लालसोट उपखंड की सीमा में बना मोरेल बांध एक बार फिर से 5 साल बाद लबालब भर गया है, जिससे क्षेत्रवासियों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा, वहीं बांध पर कई दिनों से 6 इंच चादर चल रही है, जिससे क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बनी हुई है।

लालसोट एसडीएम नरेंद्र मीना ने बताया कि मोरेल बांध का ऐड स्टोरेज 8 फीट का है, लेकिन जयपुर क्षेत्र में जुलाई-अगस्त में भारी बारिश के बाद वहां के पानी की जमकर आवक बनी हुई है। इससे बांध का जलस्तर 31 फीट पहुंच गया है, वहीं 6 इंच का वेस्ट वेयर बांध में चालू है। ऐसे में अनहोनी की आशंका को देखते हुए स्थानीय प्रशासन और पुलिस को अलर्ट मोड में रखा हुआ है, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हो। एसडीएम ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जहां भी बहता हुआ पानी है, उसमें एंट्री न करें। वहीं सेल्फी लेने के लिए किसी ऐसे पॉइंट को नहीं चुनें, जहां से फिसलने का या गिरने का खतरा हो। एसडीएम ने बताया कि बांध पर जिस जगह चादर चल रही है, वहां बैरिकेडिंग की हुई है। वहां किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा।

बांध में दो नहर

मोरेल बांध में दो नहर हैं, मुख्य नहर एवं पूर्वी नहर। मुख्य नहर एवं माइनर नहरों की लंबाई 105.45 किमी है। इसमें मुख्य नहर की लंबाई 28.60 किमी है। मुख्य नहर में 19 माइनर नहरें हैं, जिनकी लंबाई 76.85 किमी है। इसकी कुल सिंचित क्षेत्र (सीसीए) 12 हजार 964 हेक्टेयर भूमि है। इससे बौंली और मलारना डूंगर के गांवों को पानी मिलता है। इसी प्रकार पूर्वी नहर 6 फीट की ऊंचाई पर बनी हुई है। पूर्वी मुख्य नहर एवं माइनर की लंबाई 53.32 किमी है। इसमें मुख्य नहर की लंबाई 31.79 है। इसमें 10 माइनर नहरें हैं, जिनकी लंबाई 21.53 किमी है। इस नहर का सिंचित क्षेत्र 6 हजार 705 हेक्टेयर भूमि है।

1952 में बनाया गया था बांध

मोरेल बांध 1952 में बनाया गया था। यह दौसा जिले के लालसोट के गांव कांकरिया के पास मोरेल नदी पर स्थित है। यह लालसोट कस्बे से 17 किमी दूर दौसा-सवाई माधोपुर सड़क मार्ग पर है। मोरेल नदी बनास नदी की सहायक नदी है। मोरेल नदी मलारना डूंगर रेलवे स्टेशन के समीप बनास नदी में मिलती है। बांध की लंबाई 5 हजार 364 मीटर है। कुल भराव 30 फीट है। बांध की भराव क्षमता 2707 एमसी फीट है। इसमें 2496 एमसीफीट लाइव और 211 एमसी फीट डेड स्टोरेज है।

1984 में टूट गया था बांध

इस बांध का पेटा तो दौसा जिले में है, लेकिन इसके पानी से सवाई माधोपुर के 70 गांवों को फायदा होता है, जबकि दौसा के मात्र 13 गांवों को ही पानी मिलता है। इसका पानी सिंचाई के लिए ही खोला जाता है। यह कच्चे बांधों में से सबसे बड़ा बांध है। इस बांध में 2019 में चादर चली थी। 2014 में इसमें 26 फीट से अधिक पानी भर गया था, जबकि 1984 में यह बांध बाढ़ में टूट गया था। उस दौरान कई गांवों में पानी घुस गया था। ऐसे में इस बार फिर से बांध पूरा भरने से आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है।

मोतीडूंगरी मंदिर में प्रसाद में बांटे फलदार पौधे

जयपुर। हरियाली के लिए मोती डूंगरी गणेश मंदिर की प्रबंधन की ओर से अनूठा अभियान चलाया गया है। इसके तहत बुधवार को मंदिर में दर्शन करने आए भक्तों को 7000 फलदार पौधे वितरित किए गए। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने बुधवार को भगवान श्रीगणेशजी की विशेष पूजा के बाद पौधा वितरण कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने मन्दिर में दर्शन करने आये भक्तों को पौधे वितरण के साथ प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाने का संकल्प भी दिलाया। पौधे लेने के लिए लोगों की भीड़ लगी रही। मंदिर के अंदर और बाहर पौधों की व्यवस्था की गई। फलदार पौधों में अनार, अमरूद और जामुन के पौधें बांटे गए। बुधवार होने से मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या भी खूब रही। मंदिर महंत कैलाश शर्मा ने कहा- पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए पौधे लगाने जरूरी है। प्रत्येक व्यक्ति को एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करनी चाहिए। सावन का महीना चल रहा है। ऐसे में धरती को हरा भरा रखने के लिए मंदिर की ओर से भी यह पहल की गई है। ये सारे फलदार पौधे है। इससे ज्यादा से ज्यादा लोग अपने अपने जगहों पर पौधों को लगाकर प्रकृति की सेवा कर सकते है। इससे भी काफी पुण्य मिलता है। मंदिर में इससे पहले बुधवार को सुबह भगवान श्री गणेशजी का विशेष पूजन करके मोदक का भोग लगाया गया। साथ ही मंदिर में खास तरीके से तैयार किए गए फूल बंगले की झांकी सजाई गई।

सर्वसमाज ने रैली निकाली, एकजुटता का लिया संकल्प

हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में सड़कों पर जयपुर, बंद रहे बाजार

बेधड़क | जयपुर

बांग्लादेश में हिन्दुओं के प्रति हो रहे अत्याचार और हिंसा को लेकर जयपुर में भी आक्रोश दिखाई दिया। हिंदुओं को निशाना बनाए जाने के विरोध में बुधवार दोपहर 12 बजे तक राजधानी में बाजार बंद रहे। सर्व हिन्दू समाज द्वारा आयोजित आक्रोश रैली में हजारों की संख्या में लोगों ने शामिल होकर विरोध जताया। रामलीला मैदान में आयोजित सभा में ओजस्वी कविताओं का पाठ भी किया गया। बारिश में भी लोगों के हुजुम विरोध प्रदर्शन में पहुंचे। आक्रोश रैली में संत समाज भी सम्मिलित हुआ। सभा स्थल पर पहुंचे संतों का स्वागत मंच द्वारा किया गया। न्यूगेट स्थित रामलीला मैदान पर सभा में रामधुनि और देशभक्ति गीत हुए। हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ हुआ। शहर में प्रातः काल से हो रही बारिश के बीच बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष अपने हाथ में ओम पताकाएं एवं तिरंगे झंडे लिए हुए रैली में सम्मिलित हुए।

गलता तीर्थ पर सामूहिक तर्पण

प्रातः नौ बजे गलता तीर्थ पर बांग्लादेश में मारे गए हिंदुओं की आत्मा की शांति के लिए सामूहिक तर्पण कार्यक्रम किया गया। दरअसल बांग्लादेश में कई स्थानों पर हिंदुओं के संपूर्ण परिवार की सामूहिक हत्या कर दी गई, जिन परिवारों के अंतिम संस्कार करने वाला भी कोई शेष नहीं बचा। इसलिए जयपुर के हिंदू समाज द्वारा गलता तीर्थ पर यह तर्पण कार्यक्रम रखा गया। कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता राजकुमार बेसन वाले, मोहित खंडेलवाल, घनश्याम टेलर, सूरज गोड़ीवाल, महेश गुप्ता, सुरेश आदि उपस्थित रहे।

गोविंद के दरबार में रातभर किया गया संकीर्तन

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचार रोकने तथा वहां की कार्यकारी सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना करते हुए मंगलवार रात भर और बुधवार सुबह आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में हरिनाम संकीर्तन किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने संगीतमय हरिनाम संकीर्तन किया। गोविंद देवजी मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि बांग्लादेश में शांति कायम हो और वहां रह रहे हिंदुओं पर अत्याचार रुके इसके लिए ठाकुरजी से प्रार्थना की गई।

जनाक्रोश रैली में दिखाई दिया समाज का सामूहिक नेतृत्व

रैली रामलीला मैदान से निकलकर सांगानेरी गेट होते हुए बड़ी चौपड़ पर पहुंची। बड़ी चौपड़ से रैली त्रिपोलिया बाजार, चौड़ा रास्ता होते हुए रामलीला मैदान पर रैली संकल्प के साथ समाप्त हुई कि हिंदू एकजूट है, हिंदू एक है। आपस की छोटी-मोटी बातों को भूलकर विश्व में जहां कहीं भी हिंदू पर अत्याचार होता उसके विरोध में हिंदू एक साथ खड़ा होगा। रैली की विशेषता यह भी रही कि इसमें समाज का सामूहिक नेतृत्व रहा।

शिक्षा विभाग की रिवाइज गाइडलाइन

स्कूलों में स्टूडेंट्स भी कर सकेंगे मोबाइल का इस्तेमाल

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान के स्कूलों में अब टीचर्स के साथ स्टूडेंट भी मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर पाएंगे। स्टूडेंट केवल पढ़ाई के लिए ही फोन यूज कर पाएंगे। वहीं टीचर को प्रिंसिपल या स्टाफ रूम में जाकर फोन यूज करना होगा। शैक्षणिक कार्य के साथ ही किसी निजी कार्य में अगर स्कूल स्टाफ को मोबाइल का इस्तेमाल करना है तो वह प्रिंसिपल रूम में जाकर मोबाइल का इस्तेमाल कर सकेंगे।

दरअसल, 6 मई 2024 को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश के सभी स्कूलों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाने का बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि टीचर्स स्कूलों में मोबाइल का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। 1 जुलाई को जब सत्र की शुरुआत हुई तो इसके आदेश जारी किए गए। इसके बाद से स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई संबंधित दूसरे काम प्रभावित होने लगे। ऐसे में बढ़ते विरोध को देखते हुए शिक्षा विभाग ने बुधवार को इसे लेकर रिवाइज गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत मोबाइल फोन यूज करने की कुछ शर्तें भी भी रखी गई हैं। स्टूडेंट्स स्कूलों में मोबाइल फोन का उपयोग टीचर्स की अनुमति के बाद कर सकेंगे। स्कूलों में क्लास के दौरान टीचर के मोबाइल की घंटी बजने से स्टूडेंट्स को डिस्टर्बेंस होता है। ऐसे में पढ़ाई के अलावा क्लास में मोबाइल फोन के उपयोग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। स्कूलों में प्रिंसिपल के कमरे या फिर स्टाफ रूम में टीचर के मोबाइल जमा करने की व्यवस्था होगी। हालांकि, स्टाफ जरूरत पड़ने पर स्कूल परिसर में मोबाइल का उपयोग कर सकेगा। लेकिन, क्लास रूम, प्रार्थना सभा और बाल सभा के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग नहीं किया जा सकेगा। शिक्षा विभाग से जुड़े शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक कार्यों के लिए प्रिंसिपल रूम या फिर स्टाफ रूम में मोबाइल का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस दौरान भी कोशिश करनी होगी कि स्टूडेंट्स के सामने कम से कम मोबाइल फोन का इस्तेमाल हो।

दरअसल, 6 मई 2024 को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने प्रदेश के सभी स्कूलों में मोबाइल फोन पर प्रतिबंध लगाने का बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि टीचर्स स्कूलों में मोबाइल का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। 1 जुलाई को जब सत्र की शुरुआत हुई तो इसके आदेश जारी किए गए। इसके बाद से स्कूलों में ऑनलाइन पढ़ाई संबंधित दूसरे काम प्रभावित होने लगे। ऐसे में बढ़ते विरोध को देखते हुए शिक्षा विभाग ने बुधवार को इसे लेकर रिवाइज गाइडलाइन जारी की है।

एक साल पहले हुए हत्याकांड की जांच CBI को सौंपी

पुलिस और बजरी माफिया मिले हुए हैं, अब भरोसा नहीं कर सकते: HC

बेधड़क | जयपुर

हाईकोर्ट ने टोंक के पीपलू थाना क्षेत्र में करीब एक साल पहले बजरी से भरे ट्रैक्टर के ड्राइवर की मौत के मामले में जांच सीबीआई को सौंप दी है। हाईकोर्ट ने कहा- इस पूरे मामले में अब पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता है, क्योंकि पुलिस और बजरी माफिया मिले हुए हैं। जस्टिस समीर जैन की अदालत ने सीबीआई को जांच सौंपते हुए 60 दिन के भीतर इसे पूरी करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके साथ ही आरोपी अभिषेक और नीरज की जमानत भी खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा- पिछले साल 29 जून को पीपलू थाने में युवक शंकर मीणा की हत्या का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने घटना के तीन दिन बाद धरना-प्रदर्शन और राजनीतिक हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज किया था। हाईकोर्ट ने कहा- पूरे मामले में पुलिस ने बजरी लीज होल्डर के खिलाफ एक साल पूरा होने के बाद भी जांच को पेंडिंग रखा हुआ है। केवल बजरी लीज होल्डर के यहां नाके पर काम करने वाले लोगों को इस मामले में गिरफ्तार किया गया।

घटना को दुर्घटना का रूप देने की कोशिश

मृतक की ओर से पैरवी करने वाले वकील मोहित बलवदा ने कहा कि कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी माना है कि घटना वाले दिन आरोपियों ने ही रात को पुलिस को फोन करके बुलाया था। यह पुलिस ने रोजनामचे में दर्ज नहीं की। साथ ही पूरी घटना को दुर्घटना का रूप देने की भी कोशिश की है।

एग्जाम्पल सेट करना चाहते थे बजरी लीज होल्डर

कोर्ट ने कहा कि इस पूरे मामले में मेडिकल बोर्ड की भूमिका भी संदिग्ध है। सरकारी वकील शेर सिंह महला ने कहा कि अदालत ने अपने आदेश में लिखा है कि जिस तरह से युवक की हत्या की गई है। इससे लगता है कि बजरी लीज होल्डर यह एग्जाम्पल सेट करना चाहते थे कि उनके इलाके से कोई बजरी चुराकर नहीं ले जा सकता है। इसलिए युवक के साथ बुरी तरह से मारपीट की गई, जिसके चलते उसकी मौत हो गई।

डॉक्टर चेकअप कर रही थी, मरीज पीटने लगी

जयपुर। राजधानी में एक महिला डॉक्टर से मरीज द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। मरीज महिला पेट दर्द होने पर हॉस्पिटल आई थी। लाल कोठी थाना पुलिस ने आरोपी नोशाद पत्नी रिजवान के खिलाफ मामल दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी है। लाल कोठी थाना सीआई श्रीनिवास जांगिड़ ने बताया कि महिला चिकित्सालय सांगानेरी गेट में 12 अगस्त को डॉक्टर पूजा वर्मा की ड्यूटी थी। पेट दर्द की शिकायत होने पर नोशाद पत्नी रिजवान हॉस्पिटल पहुंची। यहां डॉक्टर पूजा वर्मा चेकअप कर रही थी। इसी दौरान महिला मरीज ने डॉक्टर के साथ मारपीट शुरू कर दी। इस मामले में हॉस्पिटल कर्मचारी रवि कलोसिया की ओर से मरीज के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया है।

राजस्थान हाई कोर्ट के गद्दी से हटाने के आदेश पर रोक लगाने से इनकार

अवधेशाचार्य को SC से भी राहत नहीं

बेधड़क | जयपुर

गलता पीठ के पूर्व महंत अवधेशाचार्य को सुप्रीम कोर्ट से भी राहत नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाई कोर्ट के उन्हें गद्दी से हटाने के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। अवधेशाचार्य ने राजस्थान हाई कोर्ट के 2 अगस्त के उस आदेश के खिलाफ अपील की थी, जिसमें हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एकलपीठ के 22 जुलाई के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था, जिसमें एकल पीठ ने महंत अवधेशाचार्य की नियुक्ति को रद्द करते हुए पीठ के संचालन की जिम्मेदारी राज्य सरकार को सौंप दी थी।

धार्मिक गतिविधियों का प्रबंधन कर रही है सरकार

सुप्रीम कोर्ट में अपीलकर्ता की याचिका का विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शिवमंगल शर्मा ने कहा कि सरकार के देवस्थान विभाग ने पहले ही मंदिर के प्रशासन के जिम्मेदारी संभाल रखी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रभावी ढंग से सभी धार्मिक गतिविधियों का प्रबंधन कर रही है और मंदिर की उचित देखभाल कर रही है।

वकीलों ने की थी मांग

इससे पहले अवधेशाचार्य के वकीलों ने हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि अवधेशाचार्य की नियुक्ति प्रक्रिया के तहत ही हुई है। वहीं राज्य सरकार के मंदिर प्रबंधन में दखल देने से धार्मिक गतिविधियों का प्रबंधन ठीक तरह से नहीं हो पा रहा है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के हाई कोर्ट के निर्णय में हस्तक्षेप करने में अनिच्छा दिखाने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दायर एसएलपी को वापस लेने का

यह था हाई कोर्ट का आदेश

हाई कोर्ट की सिंगल बैंच ने 22 जुलाई को फैसला देते हुए गलता पीठ तीर्थ के महंत अवधेशाचार्य की नियुक्ति को रद्द कर दिया था। जस्टिस समीर जैन की एकल पीठ ने अवधेशाचार्य और अन्य की अपील को निस्तारित करते हुए यह फैसला सुनाया था। कोर्ट ने सरकार से पीठ को टेकओवर करके साल 1943 की स्थिति बहाल करने के निर्देश दिए थे। गलता पीठ का विकास अयोध्या के राम मंदिर और उज्जैन के महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर करवाने को कहा था। वहीं, गलता पीठ की अब तक बेची गई सभी संपत्तियों की बिक्री को भी निरस्त करने के आदेश दिए थे।

फिर आजाद पवन में अपना झंडा है लहराया

ज़ाहिद ख़ान
स्वतंत्र टिप्पणीकार

शायर अल्लामा इकबाल की नज्म की इन दो पंक्तियों में हमारे महान देश का दर्शन और उसकी आत्मा दिखाई देती है। साथ ही दिखाई देती है, सदियों पुरानी वह गौरवशाली परंपरा जिससे सभी देशवासी एक सूत्र में बंधे हुए हैं। वे भले ही कोई भी मजहब, जाति, समुदाय, भाषा, रंग और नस्ल के क्यों न हों, एक-दूसरे के साथ प्यार-मुहब्बत और भाईचारे के बंधन में बंधे है। उनका मजहब उन्हें आपस में बैर या दुश्मनी करना नहीं सिखाता। सभी धर्मों से ऊपर वे हिन्दी हैं। हिंदोस्तानी हैं। हिन्दी उनकी पहचान है। उनका वतन हिन्दोस्ताँ है। जिसकी आजादी के लिए सभी ने एक साथ कुर्बानियाँ दीं। इन्हीं कुर्बानियों का नतीजा है कि करोड़ों देशवासी आज खुली हवा के नीचे आजादी की सांस ले रहे हैं। अंग्रेजी हुकूमत से एक लंबे संघर्ष के बाद हमने ये आजादी हासिल की थी। जिसमें देश के हर हिस्से से लाखों लोग ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उठ खड़े हुए थे। देश की आजादी में लेखकों, कलाकारों, गीतकारों, कवियों और शायरों के योगदान से इंकार नहीं किया जा सकता। एक दौर था, जब उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से आजादी के हक में माहौल बनाया। देशवासियों को जागृत किया। उन्हें सबसे पहले एकता का पाठ पढ़ाया और गुलामी से लड़ने की प्रेरणा दी। इन सभी का ख़्वाब हिंदुस्तान की आजादी थी।

मज़हब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना
हिन्दी हैं हम वतन है हिन्दोस्तां हमारा।

> *"'प्रभा' और 'कर्मवीर' जैसे प्रतिष्ठित समाचार-पत्रों के संपादक के तौर पर उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ जोरदार प्रचार किया और नई पीढ़ी का आह्वान किया कि वह गुलामी की जंजीरों को तोड़कर बाहर निकलें। साल 1908 में महान कथाकार प्रेमचंद का पहला कहानी संग्रह 'सोज-ए-वतन' प्रकाशित हुआ।"*

वतन-परस्ती के बीज इंसान के दिल में किस तरह अंकुरित होते हैं ?, इसके बारे में एक इंटरव्यू में आजाद हिंद फौज सेनानी कर्नल गुरबख्श सिंह ढिल्लन ने कहा था, ''आजाद हिन्द फौज में भर्ती होने पर हम अपना मजहब नहीं लिखते थे। लिखते थे, तो सिर्फ हिन्दुस्तानी। वतन-परस्ती का यही जज्बा हमें अपने मुल्क से जोड़े रखता था।'' हमें आजादी मिले एक लंबा अरसा हो गया, आज भी यही जज्बा हमें आपस में जोड़ने का काम करता है। हम कुछ भी हों, लेकिन सबसे पहले हम हिंदुस्तानी है। दूर परदेस में भी हम इसी पहचान से जाने-पहचाने जाते हैं। इस पहचान के बिना हमारी कोई पहचान नहीं। हमारी राजभाषा हिन्दी ने देश को जोड़ने में एक बड़ी भूमिका निभाई। हिन्दी के कवियों, रचनाकारों ने अपनी रचनाओं से बड़े पैमाने पर देशवासियों के दिल में एकता, देशभक्ति और स्वतंत्रता के लिए भावनाएं जगाईं। वे सिर्फ साहित्यकार ही नहीं थे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम में भी उन्होंने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर हिस्सा लिया। साल 1912 में मैथिलीशरण गुप्त की राष्ट्रीय भावनाओं से ओत-प्रोत कृति 'भारत-भारती' देश के स्वतंत्रता संग्राम में काफी प्रभावशाली साबित हुई और इसी वजह से राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें 'राष्ट्रकवि' की उपाधि दी थी। हिन्दी के एक और बड़े कवि माखनलाल चतुर्वेदी की ज्यादातर कवितायें देश प्रेम पर केन्द्रित हैं। 'प्रभा' और 'कर्मवीर' जैसे प्रतिष्ठत समाचार-पत्रों के संपादक के तौर पर उन्होंने ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ जोरदार प्रचार किया और नई पीढ़ी का आह्वान किया कि वह गुलामी की जंजीरों को तोड़कर बाहर निकलें।

साल 1908 में महान कथाकार प्रेमचंद का पहला कहानी संग्रह 'सोज-ए-वतन' प्रकाशित हुआ। देशभक्ति के जज्बात से लबरेज इस संग्रह पर अंग्रेज हुकूमत ने पाबंदी लगा दी और इसकी सभी प्रतियाँ जब्त कर लीं। सरकार उनसे इस कदर खफा थी कि उसने किताब के लेखक नवाब राय को भविष्य में लेखन न करने की चेतावनी दी। लेकिन नवाब राय इस वाकिआत से बिल्कुल न घबराए और उन्होंने अपना नाम बदलकर, प्रेमचंद रख लिया। इसी नाम से उनका बाकी साहित्य आया। और इस साहित्य के माध्यम से उन्होंने देशवासियों को जागृत करने की मुहिम जारी रखी। आजादी के आंदोलन में बंगाल और बांग्ला भाषी रचनाकारों के योगदान को भी नकारा नहीं जा सकता। 'वन्दे मातरम्' बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय की कालजयी रचना है। आलम यह था कि यह गीत स्वतंत्रता संग्राम के दौर में क्रान्तिकारियों का प्रेरणास्रोत बन गया था। राजा राममोहन राय के बाद गुरुदेव रबीन्द्रनाथ टैगोर पश्चिम बंगाल की एक ऐसी शख्सियत रहे हैं, जिन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से भारतीय सांस्कृतिक चेतना में एक नयी जान फूंकी। हमारा राष्ट्रगान 'जनगणमन-अधिनायक जय हे' उन्होंने ही लिखा था। 27 दिसम्बर, 1911 को इसे सबसे पहले कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में दो भारतीय भाषाओं बांग्ला और हिन्दी में गाया गया था। दक्षिण भारत की यदि बात करें, तो तमिल भाषी सुब्रह्मण्य भारती ने अपनी रचनाओं के माध्यम से उत्तर भारत व दक्षिण भारत के मध्य एकता-सेतु का काम किया। 'स्वदेश गीतांगल' यानी स्वदेश गीत और 'जन्मभूमि' उनके देशभिक्तपूर्ण काव्य माने जाते हैं, जिनमें राष्ट्रप्रेम और ब्रिटिश साम्राज्य के प्रति विद्रोह के भाव मौजूद हैं।

25 मई, 1943 को 'इंडियन पीपुल्स थियेटर एसोसिएशन' यानी इप्टा की स्थापना हुई। और इस संगठन ने अपने सांस्कृतिक आंदोलन के जरिए बड़े पैमाने पर अवाम को आजादी के लिए बेदार किया। इप्टा ने अपने जनगीतों और नाटकों को देशवासियों की आवाज बनाया। जनगीतों और नाटकों के जरिए समाज को जागृत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इप्टा का जन्म, वैसे तो अंग्रेजी हुकूमत के विरोध में हुआ था, लेकिन देखते-देखते उसने एक जन आंदोलन का रूप ले लिया। इप्टा ने पूरे मुल्क में न सिर्फ लोक कलाओं की परिवर्तनकारी ताकत को पहचाना, बल्कि मेहनतकश अवाम को भी इससे जोड़ा।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वाधीनता दिवस विशेष

गणतंत्र के विरोधाभासी संकट

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

> *"यदि यही विरोधाभासी स्थिति बनी रही, तब लोकतंत्र कैसे टिका रह पाएगा? यह विरोधाभास इसलिए भी आश्चर्यजनक है, कि जब हमारे स्वतंत्रता सेनानी ब्रिटिश हुकूमत से लड़ रहे थे तब वे अभावग्रस्त और कम पढ़े-लिखे होने के बावजूद अपने पारंपरिक ज्ञान और चेतना से इतने बौद्धिक थे कि किसान-मजदूर से लेकर हर उस वर्ग को परस्पर जोड़ रहे थे, जिनका एक-दूसरे के बिना काम चलना मुश्किल था।"*

दुनिया के गणतंत्रों में भारत प्राचीनतम गणतंत्रों में से एक है। यहां के मथुरा, पद्मावती और त्रिपुरी जैसे अनेक हिंदू राष्ट्र दो से तीन हजार साल पहले तक केंद्रीय सत्ता से अनुशासित लोकतांत्रिक गणराज्य थे। केंद्रीय मुद्रा का भी इनमें चलन था। लेकिन भक्ति, अतिरिक्त उदारता, सहिष्णुता, विदेशियों को शरण, वचनबद्धता जैसे भाव व आचरण कुछ ऐसे उदात्त गुणों वाले दोश रहे, जिनकी वजह से भारत विरोधाभासों, विडंबनाओं और चुनौतियों के ऐसे देश में बदलता चला गया है कि राजनीति का एक पक्ष समस्याओं को यथास्थिति में रखने की पुरजोर पैरवी करने लग गया था। नतीजतन देश का पतन हुआ। कई सामंतो ने अपने पड़ोसी सामंत को ध्वस्त करने की दृश्टि से इस्लाम धर्मावलंबी आक्रांताओं को भी बुलाने में संकोच नहीं किया। कुछ ऐसे ही हालात हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में देख रहे हैं। विपक्ष संविधान पर संकट बताकर थोड़ा ताकतवर क्या हुआ हर उस बुराई को संरक्षण देने में लग गया, जो देश को संकट में डालने वाली हैं।

संसद में जो हालात देखने में आ रहे हैं, यदि यही आगे भी बहाल रहे तो देश की अखंडता को भी हानि हो सकती है। बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों के संदर्भ में जो राष्ट्रीय नागरिकता पत्रक की सूची आई है, उस परिप्रेक्ष्य में यही देखने में आ रहा है। विपक्षी दलों के ऐसे स्थाई भाव के चलते चुनौतियों से निपटना और आजादी के बाद अनुत्तरित रह गए प्रश्नों के व्यावहारिक हल खोजना मुश्किल हो रहा है। जबकि ये घुसपैठिए भारतीय मूल के लोगों के संसाधन और प्राकृतिक संपदा हड़प्ते चले जा रहे हैं। नागरिकता संशोधन अधिनियम 2019 को इस नाते बड़ी उम्मीद से अस्तित्व में लाया गया था, लेकिन उस पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। इसी तरह कश्मीर में धारा-370 और 35-ए खत्म करने के बाद कश्मीर का बहुलतावादी चरित्र बहाल करने की उल्लेखनीय कोशिश की गई है। इससे अलगाववाद आतंकवाद नियंत्रित हुए हैं और कश्मीर में पर्यटन से रोजगार धंधे के उपाय बढ़े हैं। लेकिन विपक्ष और लोकतंत्र का मुखौटा ओढ़े रहने वाले कश्मीरी अलगाववादी नेता इस पर भी सवाल खड़े करने लगे हैं। कांग्रेस और देश का अन्य विपक्ष अलगाववादियों की इस भाशा पर अकसर मौन दिखाई देता है। विपक्ष कश्मीर के उन विस्थापित पांच लाख लोगों के पुनर्वास पर भी मुंह बंद रखता है, जो 35 साल से शिविरों में दरिद्रता का जीवन जीने को मजबूर हैं। ऐसे में इस लोकतंत्र की संप्रभुता कैसे और कब तक अखंडित रह पाएगी ? जबकि देश की अखंडता और जनसांख्यिकीय घनत्व को संतुलित बनाए रखने के लिए जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता कानून अनिवार्य रूप से लागू किया जाना जरूरी है। लोकसभा चुनाव के दौरान संविधान को खत्म कर देने के जिस मुद्दे को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने हवा दी थी, उन्हें अपने गिरेवान में झांकने की जरूरत है कि कांग्रेस जब केंद्रीय सत्ता में लंबे समय तक रही, तब वाकई सबसे ज्यादा संविधान की मूल भावना को आहत करने का काम कांग्रेसी सरकारों ने किया था। 1975 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर सभी विपक्षी नेताओं को कारागार में ठूंस दिया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बाधित करते हुए अखबारों पर लगाम लगा दी थी। 1976 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 42वां संशोधन करते हुए संविधान की प्रास्तावना में पंथ निरपेक्ष शब्द जोड़ दिए थे। संविधान में जोड़े गए इन शब्दों को लेकर इंदिरा गांधी की मंशा पर हमेशा सवाल उठते रहे हैं। आरक्षण को लेकर लोकसभा चुनाव में सवाल उठाया गया कि भाजपा गठबंधन को 400 सीटें मिल गईं तो वह संविधान को बदलकर दलित आदिवासी और पिछड़ों को मिलने वाले आरक्षण को खत्म कर देगी। जबकि हकीकत है कि कर्नाटक सरकार ने पिछड़ों के कोटे में मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण देने की संविधान विरोधी कोशिश की हुई है। संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण देने का कोई प्राधान नहीं है। अतएव कहा जा सकता है कि संविधान की भावना पर सबसे ज्यादा कुठाराघात कांग्रेसी सरकारों में हुआ है। मोदी को लेकर केवल काल्पनिक शंकाओं को हवा दी गई। यदि यही विरोधाभासी स्थिति बनी रही, तब लोकतंत्र कैसे टिका रह पाएगा

यह विरोधाभास इसलिए भी आश्चर्यजनक है, कि जब हमारे स्वतंत्रता सेनानी ब्रिटिश हुकूमत से लड़ रहे थे तब वे अभावग्रस्त और कम पढ़े-लिखे होने के बावजूद अपने पारंपरिक ज्ञान और चेतना से इतने बौद्धिक थे कि किसान-मजदूर से लेकर हर उस वर्ग को परस्पर जोड़ रहे थे, जिनका एक-दूसरे के बिना काम चलना मुश्किल था। इस दृश्टि से महात्मा गांधी ने चंपारण के भूमिहीन किसानों, कानपुर, अहमदाबाद, ढाका के बुनकरों और बंबई के वस्त्र उद्यमियों के बीच सेतु बनाया। नतीजतन इनकी इच्छाएं आम उद्देश्य से जुड़ गईं और यही एकता कालांतर में शक्तिशाली ब्रिटिश राज से मुक्ति का आधार बनी। इसीलिए देश के स्वतंत्रता संग्राम को भारतीय स्वाभिमान की जागृति का संग्राम भी कहा जाता है। राजनीतिक दमन और आर्थिक शोशण के विरुद्ध लोक-चेतना का यह प्रबुद्ध अभियान था। यह चेतना उत्तरोतर ऐसी विस्तृत हुई कि समूची दुनिया में उपनिवेशवाद के विरुद्ध मुक्ति का स्वर मुखर हो गया। परिणामस्वरूप भारत की आजादी एशिया और अफ्रीका की भी आजादी लेकर आई।

भारत के स्वतंत्रता समर का यह एक वैश्विक आयाम था, जिसे कम ही रेखांकित किया जाता है। इसके वनिस्वत फ्रांस की क्रांति की बात कही जाती है। निसंदेह इसमें समता, स्वतंत्रता एवं बंधुता के तत्व थे, लेकिन एशिया, अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका की अवाम उपेक्शित थी। अमेरिका ने व्यक्ति की निजी स्वतंत्रता और सुख के उद्देश्य की परिकल्पना तो की, परंतु उसमें स्त्रियां और हब्शी गुलाम बहिश्कृत रहे। मार्क्स और लेनिन ने एक वैचारिक पैमाना तो दिया, किंतु वह अंततः तानाशाही साम्राज्यवाद का मुखौटा ही साबित हुआ। इस लिहाज से गांधी का ही वह विचार था, जो समग्रता में भारतीय हितों की चिंता करता था। इसी परिप्रेक्ष्य में दीनदयाल उपध्याय ने एकात्म मानववाद और अंत्योदय के विचार दिए, जो संसाधनों के उपयोग से दूर अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के उत्थान की चिंता करते हैं। कमोबेश इन्हीं भावनाओं के अनुरूप डॉ भीमराव अंबेडकर ने संविधान को आकार दिया। इसीलिए जब हम 75 साल पीछे मुड़कर संवैधानिक उपलब्धियों पर नजर डालते हैं तो संतोश होता है। प्रजातांत्रिक मूल्यों के साथ राष्ट्र राज्य की व्यवस्थाएं जीवंत हैं। बीच-बीच में आपातकाल जैसी अतिरेक और अराजकता भी दिखाई देती है, लेकिन अंततः मजबूत संवैधानिक व्यवस्था के चलते लंबे समय तक ये स्थितियां गतिशील नहीं रह पाती। फलतः तानाशाही ताकतें स्वयं ही इन पर लगाम लगाने को विवश हुई हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

स्वतंत्रता दिवस पर विशेष

आजादी नहीं, बल्कि हम हो गए हैं अधूरे

अमित बैजनाथ गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

> *"हमें दूसरों को ईमानदार बनाने और नैतिकता का पाठ पढ़ाने की जगह स्वयं को नैतिक और ईमानदार बनना होगा, जो कि केवल और केवल निजी स्तर पर ही संभव है। इसका प्रमाण-पत्र देश की कोई संस्था, शख्सियत और राजनेता-राजनीति नहीं दे सकते।"*

चौदह अगस्त, 1947 की आधी रात को लाल किले की प्राचीर से देश के पहले गवर्नर जनरल लार्ड माउंटबेटन की उपस्थिति में देश के पहले प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू द्वारा भारत की आजादी की घोषणा करना न केवल ऐतिहासिक क्षण था, बल्कि भारत का एक नए युग में प्रवेश का शुभ समय भी था। ये बात और है कि आजाद भारत में पहली बार तिरंगा 16 अगस्त, 1947 को फहराया जा सका। तब से शुरू हुए आजादी के इस मस्ताने सफर ने कई पड़ाव तय किए हैं। पर क्या कभी हम यह सोच पाने की जहमत तक उठाएंगे कि आखिर हमारी आजादी के मायने क्या हैं और किस हद तक हम अपनी आजादी की पुरजोर रक्षा कर रहे हैं! कहने को तो आज बहुत दूर तक खुला आसमान है। देश के इस छोर से लेकर उस छोर तक कण-कण में आजादी समायी हुई है। बावजूद इसके हम में से अधिकतर अपने खोने का ही रोना रहते हैं। अधिकतर लोग यह नहीं सोचना चाहते कि हमने क्या पाया और उसकी एवज में देश को हमने क्या दिया! इससे बड़ी खुशी की बात और क्या हो सकती है कि आज हम बहुत हद तक आजाद हैं। चाहे बात शैक्षणिक स्तर की हो या फिर आर्थिक। माना कि शत-प्रतिशत सफलता के लक्ष्य अभी दूर हैं, पर क्या जितनी सफलता अभी तक मिल पाई है, उसका आनंद नहीं लिया जाना चाहिए! अगर ये कहा जाए कि आजादी हमें रास नहीं आ रही है, तो ऐसा कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी!

अगर ऐसा न होता तो आजादी के इतने सालों बाद भी देश सांप्रदायिक दंगों की आग में झुलस न रहा होता, जल न रहा होता। शायद, हम बहुत खुशकिस्मत हैं कि अरब देशों में पैदा नहीं हुए, जहां लोकतंत्र के नाम पर फतवों की आंधी उड़ती रहती है। जिसे जब मन किया, तब कोई भी मानवीय-अमानवीय सजा सुना दी, घर-परिवार से बेदखल कर दिया। ज्यादा ही क्रूर हुए तो नाक-कान काटने के फरमान जारी कर दिए। हमारे यहां कम से कम आधी आबादी बुर्के में तो कैद नहीं है, मन से रोजगार-व्यवसाय और जीवनसाथी चुनने के लिए कुछ स्तर पर तो स्वतंत्रता है। आजादी की बात करते हुए हम अक्सर अपने सियासतदांओं से इसका हिसाब मांगते हैं, क्या ऐसा करने पर ही हम आजाद साबित होंगे! क्या हमारी आजादी देश के राजनीतिक नेतृत्व के पास है! आखिर, आजादी है क्या! असल में आजादी न तो बाहर से थोपी जाने वाली चीज है और न ही किसी से जबरन हासिल की जा सकती है। सही मायनों में स्वतंत्रता का आशय है, खुद पर खुद का शासन। किसी और पर निर्भरता से मुक्ति। एक व्यक्ति का अपने-आप पर नियंत्रण ही वास्तविक अर्थों में स्वतंत्रता है। हां, इतना जरूर है कि प्रत्येक व्यक्ति के लिए आजादी के मायने अलग-अलग हैं। नई करवट लेते आजाद भारत में हर कोई अपना खुदमुख्तार खुद होना चाहता है। ऐसे में महिलाओं-युवतियों को भी अधिकार है ही कि वे भी अपनी खुदमुख्तार खुद बनें। इस बात को स्वीकारने में किसी को भी कोई संकोच नहीं होना चाहिए कि आधी आबादी को अब तक वह तवज्जो नहीं मिल पाई है, जिसकी वह हकदार है। असल में इनके साथ प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि हमारी आजादी हमें कोई और नहीं देगा और न ही दे सकता है।

हमें आत्म-अनुशासन का पालन करते हुए खुद अपनी आजादी और उसकी सीमाओं का निर्धारण करना होगा। एक ओर जहां हम महात्मा गांधी के सपनों के भारत की बात करते हैं, वहीं दूसरी ओर अपने ही सपनों से कभी मुक्त नहीं हो पाते। क्या अपने सपनों से बाहर आए बिना गांधी-भगत के सपनों का भारत बनाया जा सकता है! देश की औद्योगिक राजधानी और मायानगरी मुंबई में सफलता का स्वाद चखने वाले गायक-अभिनेता किशोर कुमार ने मुंबई को मौकापरस्तों और तंगदिल लोगों की नगरी कहा था। आखिर, क्या जरूरत पड़ गई उन्हें ऐसा कहने की। यह कहानी केवल मुंबई की नहीं, बल्कि देशभर की है। आखिर ये मौकापरस्त और तंगदिल हैं कौन! इस सवाल का जवाब है हम। आज अधिकतर लोग शुक्रिया अदा करने जैसी स्वस्थ परंपरा का निर्वहन भी नहीं करना चाहते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आलेख

आजादी पर इतराने का दिन है आज

अरविंद जयतिलक
स्वतंत्र टिप्पणीकार

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। विजयी विश्व तिरंगा प्यारा का जयघोष से देश झंकृत और चमत्कृत है। स्वाभिमान से देश का माथा दमक रहा है। अटक से कटक और कश्मीर से कन्याकुमारी तक हर घर तिरंगा की ऊंची शान से आसमान गुंजायमान है। पर्वत, पठार नदियां, झरने सबसे आजादी के तराने प्रस्फुटित हो रहे हैं। पक्षियों का कलरव, भंवरों का गुंजन और मलयगिरी से उठती सुगंधियां भारत की समृद्धि-समरसता और एकता-अखंडता के भाव को लयबद्ध कर रही हैं।

सड़कों, संस्थानों व प्रतिष्ठानों से उठती इंकलाब की गूंजे और वंदेमात्रम के मधुर स्वर उन परवानों की याद दिला रहे हैं जिन्होंने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। अधीनता से आजादी तक का सफर त्याग व बलिदान का हैं। पतन से उत्थान तक का है। समर्पण और संकल्प का है। समर्पण व संकल्प का यह उच्चतम भाव और अनवरत 75 वर्षों की साधना से ही आज भारत उपलब्धियों के आसमान पर है। इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए देश को कई बदलावों से गुजरना पड़ा है। नतीजा आज देश संपूर्ण दुनिया को अपनी सामाजिक-आर्थिक व सांस्कृतिक उपलब्धियों की विराटता का बोध करा रहा है। आज भारत दुनिया का सबसे सफल लोकतांत्रिक देश बन चुका है जिसकी सराहना दुनिया भर में होती है। आजादी के बाद ही भारत ने अपने सभी नागरिकों को ढ़ेरों अधिकार दे दिया जिससे नागरिकों को अपने व्यक्तित्व को संवारने की आजादी मिली। आज के भारत में जाति, धर्म, रंग, लिंग, कुल, गरीब व अमीर आदि के आधार समान है। जनमत का समर्थक भारत ने संसदीय शासन प्रणाली में सभी वर्गों को समान प्रतिनिधित्व प्रदान किया है। आज भारत में सत्ता प्राप्ति के लिए खुलकर प्रतियोगिता होती है और साथ ही लोगों को चुनाव में वोट के द्वारा अयोग्य प्रतिनिधियों को हटाने का मौका भी देता है।

देश का संविधान राज्य के लोगों की स्वतंत्रता और उनके अधिकारों में अनुचित हस्तक्षेप करने का अधिकार सरकारों को नहीं दिया है। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती है कि राजनीतिक दल सभाओं, भाषणों, समाचारपत्रों, पत्रिकाओं तथा अन्य संचार माध्यमों से जनता को अपनी नीतियों और सिद्धांतों से अवगत कराते हैं। विरोधी दल संसद में मंत्रियों से प्रश्न पूछकर, कामरोको प्रस्ताव रखकर तथा वाद-विवाद द्वारा सरकार के भूलों को प्रकाश में लाते हैं। सरकार की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखते हुए उसकी नीतियों और कार्यों की आलोचना करते हैं। भारत ने धर्म या भाषा पर आधारित सभी अल्पसंख्यक वर्गों को अपनी इच्छानुसार शिक्षण संस्थाएं स्थापित करने तथा धन का प्रबंध करने का अधिकार दिया है। भारतीय लोकतंत्र में शिक्षण-संस्थाओं को सहायता देते समय राज्य किसी शिक्षण संस्था के साथ इस आधार पर भेदभाव नहीं करता है कि वह संस्था धर्म या भाषा पर आधारित किसी अल्पसंख्यक वर्ग के प्रबंध में है। इसी तरह भारतीय नागरिकों को सूचना प्राप्त करने का अधिकार हासिल है। इस व्यवस्था ने भारतीय नागरिकों को शासन-प्रशासन से सीधे सवाल-जवाब करने की नई लोकतांत्रिक धारणा को जन्म दी है। इस व्यवस्था से सरकारी कामकाज में सुशासन, पारदर्शिता और उत्तरदायित्व बढ़ा है जिससे आर्थिक विकास को तीव्र करने, लोकतंत्र की गुणवत्ता बढ़ाने और भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने में मदद मिल रही है। सूचना के अधिकार से सत्ता की निरंकुशता पर अंकुश लगा है। यह चमकते-दमकते भारत का शानदार चेहरा है। 274 रुपए प्रति व्यक्ति आय के साथ शुरु हुआ आजादी का आर्थिक सफर आज भारत को दुनिया की ताकतवर आर्थिक महाशक्तियों की कतार में खड़ा कर दिया है। वह दिन दूर नहीं जब भारत 2040 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था का तमगा हासिल कर लेगा। आज भारत की अर्थव्यवस्था 3 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंच चुकी है। प्रति व्यक्ति आय भी 90 हजार रुपए से पार है। यह भारत की समृद्धि, ताकत और तरक्की की पहचान है।

सच कहें तो आज भारत हर रोज तरक्की की नई इबारत लिख रहा है। कल-कारखाने, उद्योग धंधों और औद्योगीकरण से विकास का पहिया तेजी से घूम रहा है। औद्योगीकरण और वैश्वीकरण ने भारतीय शिक्षा, विज्ञान व संचार के क्षेत्र को एक नया आयाम दिया है जिसके जरिए वह नए-नए इनोवेशन के जरिए दुनिया को अचंभित कर रहा है। आज देश में कई विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय और तकनीकी संस्थान हैं। इनके जरिए आज भारतीय छात्र दुनिया भर में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। कभी भारत अपने उपग्रह को स्थापित करने के लिए अमेरिका और रुस की मदद लेता था लेकिन आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन-इसरो हर रोज नया कीर्तिमान रच रहा है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

महाराष्ट्र: सियासी रार और वार में उलझे पक्ष-विपक्ष...शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस के बीच जारी है जुबानी जंग

संजय राउत ने कांग्रेस से कहा- आपके पास कोई सीएम फेस हो तो बताएं

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सीम फेस को लेकर विवाद थम नहीं रहा है, वहीं सत्तारूढ़ महायुति यानी राजग में उपमुख्यमंत्री अजित पवार को लेकर सियासी बयानबाजी जारी है। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को गठबंधन का सीएम फेस बनाने की लगातार हिमायत कर रहे शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने अब सीधे कांग्रेस से कह दिया है कि अगर उनके पास मुख्यमंत्री पद का कोई उम्मीदवार है तो उसका नाम बताए। संजय राउत ने कहा, 'नाना पटोले सही कह रहे हैं, लेकिन 2019 के चुनाव के बाद मैंने कहा था कि उद्धव ठाकरे मुंख्यमंत्री बनेंगे। अगर पटोले के पास सीएम के लिए कोई और चेहरा है, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से इसे बताना चाहिए। अगर कांग्रेस के पास चेहरा है और सार्वजनिक तौर पर बता रही है तो मुझे कोई परेशानी नहीं है।' शिवसेना (यूबीटी) ने संजय राउत ने कहा, 'नाना पटोले सही कह रहे हैं, लेकिन 2019 के चुनाव

के बाद मैंने कहा था कि उद्धव ठाकरे मुख्यमंत्री बनेंगे...। अगर पटोले के पास सीएम के लिए कोई और चेहरा है, तो उन्हें सार्वजनिक रूप से इसे बताना चाहिए। हम पटोले की तरफ से सुझाए नेता के नाम का स्वागत करेंगे।' दरअसल, पटोले ने कहा था कि अगर शरद पवार या उद्धव ठाकरे सीएम चेहरे को लेकर बायान देते हैं, तो वे (कांग्रेस) इस बात को गंभीरता से लेंगे। बीते सप्ताह पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा था कि महाराष्ट्र में एक परंपरा रही है कि गठबंधन में जिसके पास सबसे ज्यादा सीटें होती हैं, उसे सीएम पद मिलता है। सीएम उम्मीदवार का चयन पार्टी का शीर्ष नेतृत्व करता है। इधर, राउत का कहना है कि विपक्ष को चेहरे की जरूरत है और महाराष्ट्र को हमेशा चेहरे की जरूरत होती है।

मुख्यमंत्री शिंदे से मिले कांग्रेस के दो विधायक

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए बढ़ती सरगर्मी के बीच कांग्रेस के दो विधायकों के मंगलवार देर रात सीएम एकनाथ शिंदे से मुलाकात की खबरे से सियासी पारा चढ़ गया है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार विधायक हीरामन खोसकर और जितेश अंतापुरकर सीएम के आवास पर पहुंचे और वहां मुख्यमंत्री से मुलाकात की। यह मुलाकात इन चर्चाओं के बीच हुई है कि कांग्रेस विधान परिषद चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले अपने विधायकों को अगले चुनाव में टिकट नहीं देगी।

राकांपा (एसपी) का दावा: पार्टी छोड़कर नहीं जाते तो CM बनने वाले थे अजित

दूसरी ओर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने बड़ा दावा कर दिया है। पार्टी का कहना है कि अगर अजित पवार अलग होकर नहीं जाते, तो वह महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री बनते। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, राकांपा (एसपी) नेता जयंत पाटिल ने अजित पवार पर तंज कसते हुए कहा है कि 1990 से अजित विधायक हैं, लेकिन उनके बाद आने वाले एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस आगे निकल गए। पाटिल ने कहा, अगर वह (अजित पवार) पार्टी छोड़कर नहीं जाते, तो वह मुख्यमंत्री बन जाते। एमवीए के लिए अभी हालात अच्छे हैं। अगला सीएम सिर्फ महाविकास अघाड़ी से होगा। कुछ नेताओं की शरद पवार गुट में वापसी को लेकर उन्होंने कहा, वो हमारे संपर्क में हैं, लेकिन मैं इस भरोसे में नहीं रहना चाहता कि वो वापस आ रहे हैं।

अकाली दल विधायक सुक्खी आप में शामिल

चंडीगढ़। बंगा से शिरोमणि अकाली दल के विधायक डॉ. सुखविंदर सुक्खी आम आदमी पार्टी में शामिल हो गए हैं। पंजाब के सी.एम. भगवंत मान ने खुद उन्हें आम आदमी पार्टी में शामिल करवाया है। सीएम मान ने एक ट्वीट में यह जानकारी दी। ज्ञात रहे कि सुक्खी ने अकाली दल की टिकट से जालंधर से लोकसभा चुनाव लड़ा था। इस चुनाव में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। वह अकाली दल के प्रधान सुखबीर सिंह बादल के करीबी नेताओं में से एक थे। अकाली दल के पास केवल तीन विधायक थे, जिनमें से डॉ. सुक्खी अब आप में शामिल हो गए हैं। इसके बाद अब शिरोमणि अकाली दल के पास पंजाब में सिर्फ 2 विधायक बचे हैं।

मंत्री की मांग... गारंटी योजनाओं की करें समीक्षा

बेंगलुरु। कर्नाटक के मंत्री सतीश जारकीहोली ने गारंटी योजनाओं की समीक्षा की मांग की है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से अमीरों को बाहर रखने से राज्य के खजाने को सालाना कम से कम 10 हजार करोड़ रुपए की बचत होगी। जारकीहोली ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मैं यह नहीं कह रहा हूं कि इन्हें बंद कर देना चाहिए। लोग कह रहे हैं कि ये गारंटी गरीबों को दी जानी चाहिए, अमीरों को नहीं। होटलों में, कामगारों के बीच और हर जगह इस पर चर्चा हो रही है। लोक निर्माण मंत्री ने कहा, यहां तक कि विपक्ष भी पूछ रहा है, 'आप अमीरों को क्यों दे रहे हैं?' इसे गरीबों को दीजिए। ज्ञात रहे कि राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने इस साल की शुरुआत में राज्य का बजट पेश करते हुए घोषणा की थी कि 2024-25 के दौरान पांच गारंटी योजनाओं के लिए 52 हजार करोड़ रुपए अलग रखे गए हैं।

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति का देश के नाम संबोधन

देश का विभाजन मानवीय त्रासदी न्याय संगत प्रगति से बढ़ा कद

एजेंसी | नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार शाम स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए 1947 में हुए देश के भारत-पाकिस्तान के रूप में बंटवारे को मानवीय त्रासदी बताया। उन्होंने कहा कि तीव्र लेकिन न्यायसंगत प्रगति ने भारत को वैश्विक मामलों में ऊंचा कद दिया है. उन्होंने कहा कि हमारे नव-स्वाधीन राष्ट्र की यात्रा में गंभीर बाधाएं आई हैं। न्याय, समानता, स्वतंत्रता और बंधुता के संवैधानिक आदर्शों पर दृढ़ रहते हुए, हम इस अभियान के साथ आगे बढ़ रहे हैं कि भारत, विश्व-पटल पर अपना गौरवशाली स्थान पुनः प्राप्त करे। राष्ट्रपति ने कहा, मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि देश 78वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाने की तैयारी कर रहा है। इस अवसर पर लहराते तिरंगा को देखना, चाहे वह लाल किले पर हो, राज्य की राजधानियों में हो या स्थानीय इलाकों में, हमेशा हमारे दिलों को रोमांचित करता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, आज, 14 अगस्त को, राष्ट्र विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मना रहा है, जो विभाजन की भयावहता को याद करने का

दिन है। जैसे ही महान राष्ट्र का विभाजन हुआ, लाखों लोगों को मजबूरन पलायन करना पड़ा, लाखों लोगों ने अपनी जान गंवाई। स्वतंत्रता दिवस मनाने से एक दिन पहले, हम उस अभूतपूर्व मानवीय त्रासदी को याद करते हैं और उन परिवारों के साथ खड़े हैं जो टूट गए थे। हम संविधान की 75वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, परंपराओं और उनकी अभिव्यक्तियों की विविधता को एक करने वाले राष्ट्रपिता महात्मा गांधी थे, जो हमारे मार्गदर्शक थे। साथ ही, सरदार पटेल, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और बाबासाहेब अंबेडकर जैसे महान नेता थे, साथ ही भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद और कई अन्य भी थे। यह एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन था, जिसमें सभी समुदायों ने भाग लिया। आदिवासियों में तिलका मांझी, बिरसा मुंडा, लक्ष्मण नायक और फूलो-झानो जैसे कई और लोग थे, जिनके बलिदान की अब सराहना हो रही है। हमने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाना शुरू कर दिया है। अगले साल उनकी 150वीं जयंती का जश्न राष्ट्रीय पुनर्जागरण में उनके योगदान को और अधिक सम्मानित करने का अवसर होगा।

जो बंटवारे की बलि चढ़े उन्हें नमन: पीएम

नई दिल्ली। 1947 को मिली आजादी से एक दिन पहले हुए भारत के विभाजन और उस त्रासदी में मारे गए एवं पीड़ित लाखों लोगों की याद में भाजपा की ओर से 14 अगस्त को 'विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय स्वाथ्य मंत्री जेपी नड्डा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत भाजपा नेताओं ने इतिहास के सबसे क्रूर प्रकरण के दौरान अमानवीय पीड़ाओं का सामना करने वाले, जीवन खो देने वाले और बेघर हो जाने वाले लाखों लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि आज के दिन वह राष्ट्र में एकता और भाईचारे के बंधन की रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं। ज्ञात रहे कि पीएम मोदी ने साल 2021 में 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। मोदी ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर, हम उन अनगिनत लोगों को याद करते हैं जो विभाजन की भयावहता के कारण प्रभावित और पीड़ित हुए। उन्होंने कहा कि यह उनके साहस को श्रद्धांजलि देने का भी दिन है, जो मानव प्रतिरोध की शक्ति को दर्शाता है। पीएम मोदी ने कहा, विभाजन से प्रभावित बहुत से लोगों ने अपने जीवन को नए सिरे से शुरू किया और अपार सफलता प्राप्त की। आज, हम अपने राष्ट्र में एकता और भाईचारे के बंधन की हमेशा रक्षा करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी दोहराते हैं।

वहीं, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि अपने इतिहास को स्मृति में बसा कर, उससे सीख लेकर ही एक राष्ट्र अपने मजबूत भविष्य का निर्माण कर सकता है और एक शक्ति के रूप में उभर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास से इस दिवस को मनाने की परंपरा राष्ट्रनिर्माण की ओर उठाया गया मजबूत कदम है।

शराब नीति घोटाला मामला

केजरीवाल को झटका, नहीं मिली अंतरिम जमानत

एजेंसी | नई दिल्ली

कथित शराब नीति घोटाले में गिरफ्तार दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को बड़ा झटका लगा है। सुप्रीम कोर्ट ने उनको अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया है। अब उनको स्वतंत्रता दिवस के अलावा राखी के त्योहार पर भी जेल के भीतर ही रहना होगा। सीबीआई केस में गिरफ्तारी को चुनौती देने के साथ ही सीएम ने जमानत भी मांगी है। उन्हें ईडी केस में पहले ही अंतरिम जमानत मिल चुकी है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी को दिल्ली हाई कोर्ट ने सही बताया था और उन्हें जमानत के लिए ट्रायल कोर्ट जाने की छूट दी थी।केजरीवाल ने हाई कोर्ट के फैसले को सर्वोच्च अदालत में चुनौती दी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने आम आदमी पार्टी (आप) के याचिकाओं पर सुनवाई की। केजीवाल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अभिषेक मनु सिंघवी से बेंच ने कहा, हम कोई अंतरिम जमानत नहीं दे रहे हैं। हम नोटिस जारी करेंगे।' मामले की अगली सुनवाई अब 23 अगस्त को होगी।

PMLA केस में जमानत तो CBI केस में क्यों नहीं: सिंघवी

सिंघवी ने अपनी दलील के दौरान आश्चर्य जताया कि केजलीवाल को सख्त प्रावधान वाले पीएमएलए केस में जमानत मिल चुकी है और ऐसे में उन्हें सीबीआई केस में जमानत से कैसे मना किया गया? भ्रष्टाचार के केस में सीबीआई ने उन्हें गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार के केस में जमानत की शर्त पीएमएलए केस की तरह सख्त नहीं है। उन्होंने यह भी दलील दी कि केजरीवाल को ईडी केस में अंतरिम जमानत मिली थी और इसी दौरान उन्हें सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार कर लिया।

पंजाब के राज्यपाल कटारिया की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक

केंद्रीय योजनाओं व उनमें खर्च की ली जानकारी

एजेंसी | चंडीगढ़

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने राज्य के सभी प्रशासनिक सचिवों की बैठक की अध्यक्षता की है। हालांकि आम आदमी पार्टी सरकार की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन इस बैठक ने पंजाब के सत्ता के गलियारों में हलचल कर दी है। हालांकि राज्यपाल ने कथित तौर पर राज्य सरकार के के खिलाफ कुछ नहीं कहा है। उन्होंने सिर्फ केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की स्थिति के बारे में जानकारी मांगी। साथ ही उन्होंने उन योजनाओं के तहत खर्च की गई धनराशि का ब्योरा भी मांगा। जानकारों के मुताबिक

राज्यपाल ने सभी अधिकारियों से ईमानदारी से और लोगों के हित के लिए काम करने को भी कहा है। राज्यपाल ने मंगलवार को नेशनल हाइवे ऑथोरिटी ऑफ इंडिया सहित केंद्र सरकार के विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की और राज्य में हाइवे के निर्माण में देरी की वजहों के भी बारे में जानकारी ली।

हाल के समय में राज्यपाल द्वारा सरकारी अधिकारियों की बैठक बुलाने का कोई उदाहरण नहीं है। इससे पहले इस तरह की बैठक राज्यपाल के शासन के दौरान ही होती थी। राजस्थान में मंत्री के रूप में लंबे समय तक काम कर चुके राज्यपाल कटारिया असम के राज्यपाल के रूप में भी नियमित रूप से अधिकारियों की बैठकें बुलाते रहे हैं। इस बैठक में उन्होंने डिफेंस वेलफेयर डिपार्टमेंट से अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे गांवों में रहने वाले पूर्व सैनिकों का ब्योरा मांगा। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव से राज्य संचालित विश्वविद्यालयों में रिक्त पड़े कुलपति के पदों का ब्योरा मांगा गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार बैठक के लिए मुख्य सचिव अनुराग वर्मा और मुख्यमंत्री के विशेष मुख्य सचिव वीके सिंह के अलावा 28 प्रशासनिक सचिवों को मंगलवार शाम संदेश भेजा गया था। बैठक में 25 सचिव शामिल हुए।

चुनाव आयोग की केंद्रीय गृह सचिव के साथ बैठक

J&K में चुनाव तिथि की घोषणा अगले सप्ताह संभव

एजेंसी | नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनावों की अगले सप्ताह तक घोषणा हो सकती है। समझा जाता है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने निर्वाचन आयोग से कहा है कि वह जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव के लिए पर्याप्त सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं। सूत्रों ने बताया कि बुधवार को केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला के साथ यहां चुनाव आयुक्तों की बैठक के दौरान यह आश्वासन दिया। आयोग ने भल्ला के साथ जम्मू कश्मीर की सुरक्षा स्थिति पर विस्तृत समीक्षा बैठक की। ज्ञात रहे कि उच्चतम न्यायालय ने गत वर्ष दिसंबर में निर्वाचन

प्रत्याशियों की सुरक्षा को लेकर हुई चर्चा

केंद्रीय गृह सचिव के साथ बैठक में आयोग ने विधानसभा चुनाव के दौरान प्रत्येक प्रत्याशियों की सुरक्षा को लेकर विस्तार से चर्चा की है। राज्य में लोकसभा चुनाव भी पांच चरणों में कराया गया था। ऐसे में राज्य के पास पांच चरणों में चुनाव कराने का पूरा सुरक्षा प्लान भी मौजूद है।

आयोग को 30 सितंबर तक जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का निर्देश दिया था। सूत्रों के मुताबिक, चुनाव की तारीखों की घोषणा 20 अगस्त तक हो सकता है। मतदान 5 या 6 चरण में कराया जा सकता है। अनुच्छेद 370 हटने के बाद इस केंद्र शासित प्रदेश में यह पहला विधानसभा चुनाव होगा। जम्मू कश्मीर में पिछला विधानसभा 2014 में पांच चरणों में हुआ था , तब लद्दाख उसका हिस्सा था। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि जम्मू कश्मीर में उन अन्य राज्यों के साथ ही विधानसभा चुनाव कराये जाएंगे या अलग से, जहां विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बार प्रदेश में विधानसभा की सीट 83 से बढ़कर 90 हो गई हैं, जिनमें पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को आवंटित सीट शामिल नहीं हैं।

सुरक्षा आकलन पर गृह मंत्रालय सहमत

सूत्रों के मुताबिक गृह सचिव जम्मू-कश्मीर में निर्वाचन आयोग के सुरक्षा आकलन से 'सहमत' हैं। सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय उम्मीदवारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और केंद्र शासित प्रदेश में शांतिपूर्ण चुनाव कराने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तावित पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान कराने के वास्ते सुरक्षाबलों की मांग करते हुए उम्मीदवारों एवं मतदान केंद्रों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया।

जरूरी खबर

SBI-PNB से नाता तोड़ेगी कर्नाटक सरकार

बेंगलुरु। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार ने राज्य के सभी सरकारी विभागों, बोर्डों, निगमों, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों और विश्वविद्यालयों को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में अपनी सभी जमा राशि और निवेश वापस लेने और इन बैंकों के साथ किसी तरह का लेन-देन न करने का आदेश दिया है। यह आदेश कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) और बैंक कर्मचारियों से जुड़े कथित घोटाले के बाद सामने आया है। बोर्ड का आरोप है कि जब 12 करोड़ रुपए का निवेश वापस लेने के लिए बैंक से संपर्क किया गया तो बैंक कर्मचारियों ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। 12 अगस्त को कर्नाटक सरकार के एक सर्कुलर में कहा गया कि बैंक अधिकारियों के साथ बैठक का कोई नतीजा नहीं निकला और मामला अब अदालत में है।

अमेरिका का अरुण योगीराज को वीजा देने से इनकार

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर के लिए रामलला की मूर्ति बनाने वाले प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज को अमेरिका ने वीजा देने से इनकार कर दिया है। इसके लिए अमेरिका ने कोई ठोस वजह भी नहीं बताई है। योगीराज को 12वीं अक्का विश्व कन्नड़ कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए अमेरिका जाना था। यह कॉन्फ्रेंस 30 अगस्त से एक सितंबर के बीच वर्जीनिया के रिचमंड कन्वेंशन सेंटर में होनी है। 'मीडिया रिपोर्टों के अनुसार अरुण योगीराज के परिवार ने वीजा नहीं दिए जाने को लेकर निराशा जताई है। सूत्रों का कहना है कि अरुण की पत्नी विजेता पहले भी अमेरिका जा चुकी हैं और ऐसे में वीजा देने से इनकार करना अप्रत्याशित है।

कर्नल मनप्रीत समेत चार सुरक्षाकर्मियों को कीर्ति चक्र

नई दिल्ली। पिछले साल सितंबर में जम्मू कश्मीर के अनंतनाग में आतंकवाद विरोधी अभियान में शहीद हुए कर्नल मनप्रीत सिंह को मरणोपरांत शांति काल में दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा वीरता पुरस्कार कीर्ति चक्र प्रदान किया जाएगा। तीन अन्य सुरक्षा बल कर्मियों राइफलमैन रवि कुमार (मरणोपरांत), मेजर मल्ला राम गोपाल नायडू, जम्मू-कश्मीर पुलिस के उपाधीक्षक हुमायूं मुजम्मिल भट (मरणोपरांत) को भी कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

राष्ट्रपति से मिले ओलंपिक खिलाड़ी

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले भारतीय खिलाड़ियों के दल ने बुधवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भेंट की और उनके साथ अपने अनुभवों को साझा किया।

गोविंद मोहन होंगे देश के नए गृह सचिव

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संस्कृति मंत्रालय के सचिव गोविंद मोहन को नया गृह सचिव बनाया है। वह मौजूदा गृह सचिव अजय भल्ला की जगह लेंगे। अजय भल्ला का कार्यकाल 22 अगस्त को समाप्त हो रहा है। ऐसा माना जा रहा था कि अजय भल्ला को लगातार पांचवी सेवा विस्तार मिलेगा, लेकिन केंद्र सरकार ने गोविंद मोहन को नया गृह सचिव नियुक्त कर दिया है। बुधवार शाम को केंद्र सरकार ने यह आदेश जारी कर दिए। नए केंद्रीय गृह सचिव 1989 सिक्किम कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। मोहन अगले महीने 59 वर्ष के हो जाएंगे। वह मूलतः उत्तर प्रदेश के निवासी हैं और 2017 से केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं। बताया जाता है कि गोविंद मोहन मई से सितंबर 2018 तक गृह मंत्रालय में संयुक्त सचिव और सितंबर 2018 से सितंबर 2021 तक अतिरिक्त सचिव रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश से राज्यों की बल्ले-बल्ले

केंद्र से खनिजों पर रॉयल्टी का बकाया अप्रैल 2005 से वसूलने की अनुमति

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने खनिज संपन्न राज्यों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर केंद्र सरकार से 12 वर्ष में क्रमबद्ध तरीके से रॉयल्टी तथा कर पर एक अप्रैल 2005 से बकाया लेने की बुधवार को अनुमति दे दी। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ ने कहा कि 25 जुलाई के आदेश को आगामी प्रभाव से लागू करने की दलील खारिज की जाती है। पीठ की ओर से फैसला सुनाते हुए चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि इस अदालत ने उसके समक्ष आए सवालों का 8:1 के बहुमत से 25 जुलाई को जवाब दे दिया था। साथ ही खदानों, खनिज-युक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार राज्यों को

दिया था। पीठ ने कहा कि राज्यों द्वारा कर लेने के लिए एक अप्रैल 2026 से 12 वर्ष की अवधि में किस्तों में भुगतान करने का समय दिया जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि 25 जुलाई का फैसला सुनाने के बाद केंद्र सरकार ने इस फैसले को आगामी प्रभाव से लागू करने का अनुरोध किया था। मामले पर 31 जुलाई को सुनवाई की गई थी। केंद्र ने खनिज संपन्न राज्यों को 1989 से खनिजों और खनिज-युक्त भूमि पर लगाई गई रॉयल्टी उन्हें वापस करने की मांग का विरोध करते हुए कहा था कि इसका असर नागरिकों पर पड़ेगा और प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) को अपने खजाने से 70,000 करोड़ रुपए निकालने पड़ेंगे।

2005 से पहले के लेनदेन पर टैक्स नहीं

पीठ ने कहा कि यह दलील खारिज की जाती है कि खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकरण अधिनियम (एमएडीए 25 जुलाई के आदेश) को आगामी प्रभाव से लागू किया जाए। उसने केंद्र और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों समेत खनन कंपनियों द्वारा राज्यों को बकाए के भुगतान पर शर्तें लगाईं। कोर्ट ने कहा कि राज्य एमएडीए (25 जुलाई के आदेश) में निर्धारित कानून के अनुसार, संविधान की सातवीं अनुसूची की सूची-2 की प्रविष्टि 49 और 50 से संबंधित कर मांग सकते हैं या नए सिरे से कर की मांग कर सकते हैं। कर की मांग एक अप्रैल 2005 से पहले के लेनदेन पर नहीं होनी चाहिए। सूची-2 की प्रविष्टि 49 भूमि तथा इमारतों पर कर से जुड़ी है जबकि प्रविष्टि 50 खनिज विकास से संबंधित कानून द्वारा लागू किसी भी पाबंदी के अधीन खनिज अधिकारों पर करों से जुड़ी है

ब्याज, जुर्माना करदाताओं के लिए माफ

शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि 25 जुलाई, 2024 से पहले राज्यों द्वारा केंद्र और खनन कंपनियों से की गई करों की मांग पर ब्याज और जुर्माना सभी करदाताओं के लिए माफ कर दिया जाएगा।

अभेद्य किला बनी दिल्ली: कमांडो दस्ते तैनात

पीएम मोदी लाल किले की प्राचीर से 11वीं बार करेंगे देश को संबोधित

एजेंसी | नई दिल्ली

देश गुरुवार को अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले की प्राचीर पर झंडारोहण करेंगे और राष्ट्र को संबोधित करेंगे। यह देश के लिए उनका लगातार 11वां संबोधन होगा, जबकि लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटने के बाद उनका पहला संबोधन होगा। उम्मीद है कि पीएम मोदी इस बार अपने संबोधन के दौरान देश के युवाओं और आधी आबादी यानी महिलाओं को लेकर कुछ बड़े ऐलान कर सकते हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। जमीन से आसमान तक सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। आसमानी सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सेना के हेलिकॉप्टर के जरिए अत्याधुनिक हथियारों से लैस कमांडो दस्ता निगरानी रखेगा।

एक तरफ जहां समारोह तक नो फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है, वहीं, दूसरी ओर बुधवार रात 11.30 बजे राजधानी की सीमाएं सील कर दी गई हैं। यह प्रतिबंध गुरुवार आधी रात तक लागू रहेगा। लालकिले के आसपास के इलाके में ऊंची इमारतों पर भी एंटी डिफेंस गन से लैस कमांडो दस्ता का पहरा रहेगा। ड्रोन, बैलून, पैरा ग्लाइडर और अन्य तरीके से हमला न हो, इसके लिए आसपास करीब 300 से अधिक ऊंची इमारतों पर एंट्री एयरक्राफ्ट और एयर डिफेंस गन लगाए गए हैं। इन हथियारों के जरिए हवाई हमले से मिनटों में निपटा जा सकेगा।

दिल्ली पुलिस ने 10,000 से अधिक पुलिसकर्मियों और 3,000 ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को तैनात किया है। लाल किले से जोड़ने वाली सड़कों पर 3,000 से अधिक यातायात पुलिस कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। लाल किले में सुरक्षा एजेंसियों की तैनाती पहले ही कर दी गई है। इसके साथ ही मध्य और नई दिल्ली में 700 एआई-आधारित चेहरे की पहचान करने वाले कैमरे लगाए गए हैं। पुलिस उपायुक्त (नई दिल्ली) देवेश कुमार महला ने कहा- हमने स्वतंत्रता दिवस के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए 700 एआई-आधारित चेहरे की पहचान करने वाले सीसीटीवी कैमरे खरीदे हैं। इन कैमरों में हाई रिजॉल्यूशन पैन-टिल्ट-जूम की सुविधा है जिससे दूर से ही संदिग्ध की पहचान की जा सकती है।

उपचुनाव में कांग्रेस ने बनाया उम्मीदवार: इस बार जीत तय

तेलंगाना से राज्यसभा में जाएंगे सिंघवी

एजेंसी | नई दिल्ली

तेलंगाना में राज्यसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने अभिषेक मनु सिंघवी को अपना उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अभिषेक मनु सिंघवी की उम्मीदवारी को मंजूरी दी। सिंघवी एक जाने-माने कानूनी विशेषज्ञ और राजनेता हैं। वे पहले भी राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। बता दें कि भारत राष्ट्र समिति के राज्यसभा सांसद के रूप में केशव राव ने इस्तीफा दे दिया था जिससे यह सीट रिक्त हुई है। वे बीआरएस छोड़ कांग्रेस में शामिल हो गए। अब उपचुनाव में इस खाली सीट पर कांग्रेस की जीत आसान लग रही है। तेलंगाना में कांग्रेस के

पास बड़ा बहुमत है और उसका यह सीट जीतना तय है। उपचुनाव 3 सितंबर को होना है। अगर कांग्रेस ये सीट जीतती है तो राज्यसभा में उसके सदस्यों की संख्या 27 हो जाएगी। चुनाव के लिए अधिसूचना 14 अगस्त को जारी की जाएगी, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, जिसकी जांच 22 अगस्त तक की जाएगी।

हिमाचल से हार गए थे सिंघवी

इसी साल कांग्रेस ने सिंघवी को हिमाचल प्रदेश से राज्यसभा का उम्मीदवार बनाया था। लेकिन 27 फरवरी को हुए चुनाव में भाजपा उम्मीदवार हर्ष महाजन को ड्रॉ ऑफ लॉट्स नियम के चलते विजेता घोषित किया गया था। हर्ष और सिंघवी दोनों को 34-34 वोट मिले थे। अगले महीने राज्यसभा की 12 सीटों के लिए उपचुनाव होने वाला है। इसके बाद भाजपा नीत राजग को उच्च सदन में स्पष्ट बहुमत हासिल होने की उम्मीद है।

अमेरिका से 31 एमक्यू-9बी ड्रोन खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच जल्द ही 31 हथियारबंद एमक्यू-9बी रीपर या प्रीडेटर-बी ड्रोन को लेकर बड़ी डील होने जा रही है। ये ड्रोन हासिल होने के बाद नौसेना, सेना और वायु सेना की ताकत कई गुना बढ़ जाएगी। अमेरिका के साथ इसे लेकर 33 हजार करोड़ रुपए से अधिक का करार होने की उम्मीद है। फिलहाल भारत इन ड्रोन की कीमत को और कम करने के लिए बातचीत कर रहा है। भारत का लक्ष्य इस वर्ष नवंबर-दिसंबर तक इस बड़े सौदे पर हस्ताक्षर करना है।

क्या है एमक्यू-9बी की खासियत

एमक्यू-9बी ड्रोन 40 हजार फुट से भी अधिक ऊंचाई पर उड़ान भर सकते हैं। इनमें 40 घंटे तक उड़ान भरने की क्षमता है। इन्हें हेलफायर एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलों और स्मार्ट बमों से लैस किया गया है। भारत अमेरिका के साथ जो डील कर रहा है उसमें 170 हेलफायर मिसाइलें, 310 GBU-39B प्रेसिजन-गाइडेड ग्लाइड बम, नेविगेशन सिस्टम, सेंसर सूट और मोबाइल ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम शामिल हैं।

डॉक्टर से रेप व हत्या का मामला

कोलकाता पहुंची CBI टीम...जांच शुरू, आरोपी को हिरासत में लिया

एजेंसी | कोलकाता/नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज की महिला डॉक्टर के साथ रेप व उसके बाद हत्या के मामले की जांच के लिए बुधवार सुबह दिल्ली से सीबीआई की एक विशेष टीम संयुक्त निदेशक के नेतृत्व में कोलकाता पहुंची। टीम में फोरेंसिक एक्सपर्ट भी शामिल हैं। जांच के लिए तीन टीम बनाई गई हैं।

सीबीआई सूत्रों ने बताया कि टीम ने मौका-ए-वारदात का दौरा किया। इस मामले में कोलकाता पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी संजय रॉय को सीबीआई

ने अपनी हिरासत में ले लिया है। सीबीआई उससे अपने तरीके से पूछताछ करेगी। कोलकाता पुलिस ने इस मामले की केस डायरी सीबीआई को सौंप दी है। मंगलवार को कोलकाता हाई कोर्ट के आदेश के तुरंत बाद सीबीआई की कोलकाता स्थित एक टीम ने इस केस को कोलकाता पुलिस से अपने हाथ में ले लिया था।

गैंगरेप का अंदेशा

इस मामले में आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर एक डॉक्टर ऐसा दावा भी कर रहे हैं कि मृतक डॉक्टर के प्राइवेट पार्ट से 150 मिलीग्राम वाइट लिक्विड मिला है। इससे यह आशंका प्रबल होती है कि यह मामला रेप का नहीं बल्कि गैंगरेप का हो सकता है। रेप डॉक्टर की हत्या करने के बाद नहीं बल्कि पहले किया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतका की मौत के समय का अनुमान लगाकर भी जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

ममता बनर्जी और राहुल गांधी भिड़े

आरोपी को बचाने का प्रयास: राहुल

इस बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आरोपी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने हाथरस, उन्नाव और कठुआ में हुई यौन उत्पीड़न की घटनाओं का भी जिक्र कर दिया। इस तरह इशारे में ही उन्होंने ममता बनर्जी के अलावा भाजपा शासित राज्यों की सरकारों को भी कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, इस घटना ने सोचने पर मजबूर कर दिया है कि अगर मेडिकल कॉलेज जैसी जगह पर डॉक्टर्स सुरक्षित नहीं हैं तो किस भरोसे अभिभावक अपनी बेटियों को पढ़ने बाहर भेजें? उन्होंने सवाल उठाया कि निर्भया केस के बाद बने कठोर क़ानून भी ऐसे अपराधों को रोक पाने में असफल क्यों हैं?

ममता का पलटवार...पूछा कांग्रेसी राज्यों का हाल

इस बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार शाम को इंडिया गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों में भी अपराध की घटनाएं सामने आती रही हैं। जब वामपंथी पार्टी सत्ता में थी, तब बंगाल में जघन्य अपराध किए गए थे। तत्कालीन सरकार चुप थी। ममता ने कहा, मैं कांग्रेस से पूछना चाहती हूं... आपके राज्यों में कितनी घटनाएं हुई हैं आप क्या कार्रवाई करते हैं?

तो क्या बंगाल को बांग्लादेश बना देंगे!

ममता बनर्जी ने इस मामले पर राजनीति करने के लिए राजनीतिक दलों की आलोचना की। उन्होंने कहा, (महिला के) परिवार के साथ खड़े होने के बजाय, माकपा और भाजपा सस्ती राजनीति में लिप्त हैं। उन्हें लगता है कि वे बंगाल को बांग्लादेश बना सकते हैं। लेकिन मैं आपको बता दूं, मैं सत्ता की लालची नहीं हूं, ऐसा हरगिज होने नहीं दूंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के मामले में सभी कदम उठाए गए हैं, फिर भी दुर्भावनापूर्ण अभियान जारी है।

जेकेके में 'बॉस्की के कप्तान चाचा' नाटक का मंचन, राष्ट्रध्वज का महत्व बताया

स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां सुना बच्चों में जगाया देशभक्ति का जज्बा

बेधड़क | जयपुर

माह-ए-आजादी में अतुल्य अगस्त के अंतर्गत जवाहर कला केन्द्र की ओर से बुधवार को सलीम आरिफ के निर्देशन में नाटक 'बॉस्की के कप्तान चाचा' का मंचन किया गया। नाटक की कहानी साहित्यकार गुलजार ने लिखी है। नाटक आमजन मुख्यतः बच्चों में देशभक्ति का जज्बा जगाने के साथ-साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के महत्व और गरिमा पर प्रकाश डालता है। पहले शो में स्कूली बच्चों ने हिस्सा लिया जबकि दूसरे शो में बड़ी उम्र के कला प्रेमी दर्शक बने। कहानी के सूत्रधार और आधार दोनों बच्चे हैं।

सलीम आरिफ ने बताया कि गुलजार ने अपनी बेटी बॉस्की (मेघना गुलजार) को इस नाटक की कहानी तोहफे के रूप में दी थी। बॉस्की के कप्तान चाचा का यह 11वां और राजस्थान में पहला शो रहा। नाटक के नायक हैं कप्तान चाचा। कारगिल वॉर में हिस्सा ले चुके कप्तान अब रिटायर्ड हो चुके हैं और मुंबई की चॉल में रहने आए हैं। पूर्व सैनिक के सीने में देशभक्ति का वही जज्बा अब भी बरकरार है और वे चाहते हैं कि देश के सभी नागरिक देश से प्रेम करें और राष्ट्रीय अस्मिता को समझे। चॉल में अलग-अलग धर्मों के लोग मिलजुल कर रहते हैं।

ध्वज का अपमान करना पड़ गया भारी

चाचा बच्चों को सेना और स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां सुनाते-सुनाते उनके कप्तान बन जाते हैं। अब यह टोली मिलकर स्वतंत्रता दिवस पर चॉल में ध्वजारोहण की योजना बनाती है। बच्चे जब अपने माता-पिता को यह बात बताते हैं तो पहले वे आनाकानी करते हैं, बच्चों की जिद के आगे उन्हें झुकना पड़ता है। चंदा इकट्ठा कर पहले पोल और फिर झंडा लाया जाता है। इसी के साथ एक-एक झंडा सभी को घर पर लगाने को दिया जाता है, लेकिन लोग इसकी गरिमा को ध्यान में न रखते हुए झंडे को सिर्फ एक कपड़ा समझने लगते हैं। कप्तान देखता है कि कोई झंडे में खाना बांधकर ले जा रहा है तो कोई परदे की तरह काम ले रहा है। कप्तान पुलिस बुलाता है बात उल्टी पड़ जाती है और उसे ही जेल जाना पड़ता है। कप्तान के बिना बच्चों की दुनिया उदास हो जाती है। अंततः सभी लोगों को अपनी गलती का एहसास होता है और वे कप्तान को छुड़ाकर लाते हैं। बाद में पूरे सम्मान के साथ ध्वजारोहण किया जाता है।

वंचित वर्ग के बच्चों ने किया अभिनय

नाटक में अर्श सैय्यद, मयंक विश्वकर्मा, हिमांशु राय, भिषक मोहन, विकास कुमार, पूर्णिमा, फराज सलीम जैसे प्रोफेशनल एक्टर्स भी दिखे। इसी के साथ ढाई अक्षर एनजीओ की ओर से वर्सोवा स्लम एरिया के बच्चों को अभिनय सिखा कर मंचीय प्रस्तुति का मौका भी दिया गया। अभिनेत्री लुबना सलीम ने प्रोड्यूसर की भूमिका निभाई। मिलिंद वानखेड़े ने संगीत तो रोहित चिपलूनकर ने प्रकाश संयोजन संभाला। निर्देशक सलीम आरिफ ने कहा कि इस मुहिम का उद्देश्य बच्चों में संस्कार निर्माण करना है, इसलिए वंचित वर्ग के बच्चों को अभिनय सिखा कर परफॉर्म करने का मौका दिया गया।

तिरंगे के सम्मान का लिया संकल्प

जयपुर। एसएस जैन सुबोध पीजी महिला महाविद्यालय की एनएसएस इकाइयों की ओर से हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा रैली निकाली गई। इसमें महाविद्यालय की स्वयंसेविकाओं, कार्यक्रम अधिकारियों एवं व्याख्याताओं ने भाग लिया। महाविद्यालय प्राचार्या डॉ. रेनू जोशी ने कहा कि हमें तिरंगे का सम्मान करना चाहिए और संकल्प करें कि हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने में पूर्ण भागीदारी करें।

SRN इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थी परिषद का गठन

विधार्थी परिषद से विधार्थियों में होता है नेतृत्व के गुणों का विकास

बेधड़क | जयपुर

एसआरएन इन्टरनेशनल स्कूल जगत्तपुरा के ऑडिटोरियम में विद्यार्थी परिषद का गठन किया गया, जिसमें विभिन्न गतिविधियों के लिए भिन्न भिन्न कप्तान व उपकप्तान चुने गए। चयनित विद्यार्थियों के चार हाउस बनाए गए। सर्व प्रथम विद्यालय चेयरमैन रवि शंकर आईएफएस (रिटायर्ड) व डायरेक्टर उषा शर्मा ने हैड बॉय धवल जैन व डैड गर्ल एन्जिल शर्मा का नाम घोषित किया। इसके बाद चयनित हाउस कैप्टन व इंचार्ज को बैजेज लगाकर सम्मानित किया। विभिन्न डाउस के कैप्टन का चयन करते हुए कैप्टन को हाउस का चार्ज सौंपा गया।

स्पोर्ट्स कैप्टन प्रिन्स वर्मा, कल्चरल सैकेट्री मुस्कान चौधरी, डिप्टी हैड गर्ल श्रेया माहेश्वरी, डिप्टी हैड बॉय ऋषभ ठाकुर, साइंस एंड टैक्नोलोजी एमबैसेडर में बनिका सिंहल, कॉमर्स एंड इन्डस्ट्री एमबैसेडर में अदीति अग्रवाल, ड्युमेनिटीज एमबैसेडर में जीवांश शर्मा व डैड यूथ आईकन में गौरी महरोत्रा का चयन किया गया। इसी श्रृंखला में कल्चरल सेकेट्री हाउस कैप्टन वाइस हाउस कैप्टन स्पोर्ट्स कैप्टन चुने गए। इन चारों सदनों में इनके कैप्टन तथा वाइस कैप्टन का भी चयन किया गया। समस्त चयनित लीडर्स को विद्यालय चेयरमेन रवि शंकर द्वारा शपथ दिलाई गई।

समारोह का समापन छात्र-छात्राओं के विचार एवं गणपति पूजा के साथ किया गया। विद्यालय डायरेक्टर उषा शर्मा ने बताया कि विधार्थी परिषद के माध्यम से विधार्थियों में प्रशासनिक एवं नेतृत्व के गुणों का विकास होता है।

30 से अधिक गायकों ने दी प्रस्तुति

स्वतंत्रता सेनानियों को 'जन गण मन' में संगीतमय श्रद्धांजलि

बेधड़क | जयपुर

स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर भव्य देशभक्ति गीतों की शाम जन गण मन जयपुर। पवन गोयल और विनीत जैन क्रिएशन द्वारा होटल प्राइम सफारी में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को संगीतमय श्रद्धांजलि जन गण मन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इसमें राजस्थान के 30 से अधिक प्रसिद्ध गायकों ने अपनी प्रस्तुति दी, जिनमें रविन्द्र उपाध्याय, डॉ. गौरव जैन, दीप शिखा जैन मधु भट्ट, संजय रायजादा, नूतन चौहान, जावेद हुसैन, रोहित शर्मा, दिलबर हुसैन, पूजा राठौर, हीरेन्द्र भट्ट, मिताली वर्मा लियाकत अली पंकज ओझा और कई अन्य शामिल थे। भारत के विभिन्न रंगों को दिखाते हुए नृत्य मंडली द्वारा शानदार नृत्य प्रस्तुति दी गई। बीटबॉक्सिंग और गायन का मिश्रण भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारी भारतीय सेना के अधिकारी विभिन्न सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी व संगीतज्ञ शामिल हुए। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान प्रमोद गोयल और जेडी माहेश्वरी द्वारा किया गया।

स्वयंसेवकों को एकता की दिलाई शपथ

जयपुर। महारानी कॉलेज में एनएसएस की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस पर विशेष शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस गीत और एनएसएस क्लैप से हुई। सत्र के पहले एनएसएस कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारियों ने प्राचार्य प्रो. निमाली सिंह को पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। प्राचार्य प्रो. निमाली सिंह ने स्टूडेंट्स से कहा कि वे किसी भी आधार यानी जाति, धर्म, क्षेत्र या लिंग के आधार पर खुद को विभाजित न होने दें। एनएसएस समन्वयक महारानी कॉलेज डॉ. डेजी शर्मा ने स्वयंसेवकों को एकता और अखंडता की शपथ दिलाई। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शिल्पी सैनी, डॉ. प्रकाश और डॉ. चेतना चौधरी ने भी छात्रों को संयुक्त देश के महत्व के बारे में मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम | निर्वाण विश्वविद्यालय में एंटी-रैगिंग दिवस मनाया

आपसी सम्मान के सिद्धांतों को बनाए रखने का संकल्प

बेधड़क | जयपुर

निर्वाण विश्वविद्यालय जयपुर की एंटी रैगिंग कमेटी द्वारा एंटी रैगिंग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर निर्वाण विश्वविद्यालय के चेयरमैन डॉ. एसएल सिहाग और वाइस चेयरमैन डॉ. आरके अरोड़ा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। साथ ही यह भी कहा कि निर्वाण विश्वविद्यालय पूर्णरूप से रैगिंग मुक्त परिसर है। यहां रैगिंग की रोकथाम के लिए विशेष एंटी रैगिंग कमेटी भी नियुक्त की गई है जो समय समय पर रैगिंग के विरोध में जागरूकता कार्यक्रम करवाती है। यह एंटी रैगिंग कमेटी निर्वाण विश्वविद्यालय में रैगिंग पर कठोरता से निगरानी भी रखती है। एंटी रैगिंग दिवस पर निर्वाण विश्वविद्यालय में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य परिसर में एक सुरक्षित, सम्मानजनक और समावेशी माहौल को बढ़ावा देना है। इस समारोह में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस शपथ ग्रहण में विद्यार्थियों ने गरिमा, अखंडता और आपसी सम्मान के सिद्धांतों को बनाए रखने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों की इस सक्रिय भागीदारी से यह स्पष्ट हुआ कि वे एक रैगिंग मुक्त परिसर के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके साथ ही निर्वाण विश्वविद्यालय में युजीसी ड्रग-फ्री इंडिया कैम्पेन के तहत एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक शपथ समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के योग और वेलनेस सेंटर (OJAS) द्वारा आयोजित किया गया, जो संस्थान की नशामुक्त जीवनशैली को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। डॉ. कृष्णा अग्रवाल, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ योग और शारीरिक शिक्षा ने जानकारी दी कि निर्वाण विश्वविद्यालय नशामुक्त भारत के राष्ट्रीय मिशन के प्रति कटिबद्ध है। निर्वाण विश्वविद्यालय का परिसर रैगिंग मुक्त और नशामुक्त परिसर है। ये सभी कार्यक्रम प्रोफेसर रेणु नागर, प्रोफेसर प्रीति शर्मा, डॉ. के.सी. सैनी, डॉ. कृष्णा शर्मा और श्री विकास चौधरी के निर्देशन में सम्पन्न हुए।

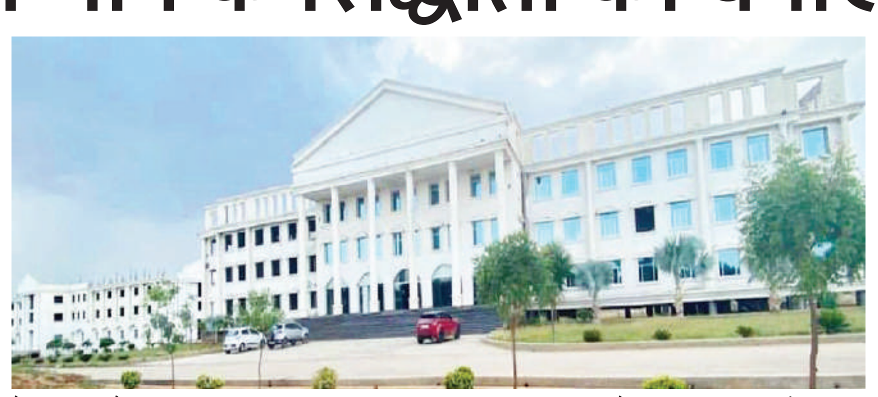

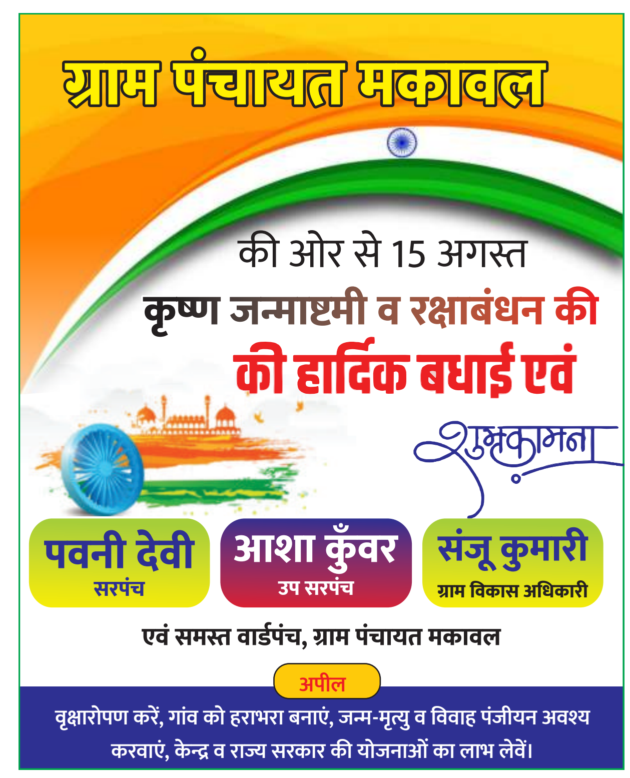

स्वतंत्रता दिवस की 78वीं वर्षगांठ पर सभी देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं! आइए, हम सभी मिलकर अपने देश की एकता, अखंडता और समृद्धि के लिए प्रतिबद्ध रहें। जय हिंद!

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

बख्तरबंद सैन्य वाहन में यूक्रेनी सैनिक

यूक्रेन ने बुधवार को रूसी क्षेत्र में अपना आश्चर्यजनक आक्रमण किया और बेलगोरोड के पड़ोसी सीमा क्षेत्र पर बमबारी की, जहां गवर्नर ने आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। हालांकि, यूक्रेन ने कहा कि वह रूसी क्षेत्र पर कब्जा नहीं करेगा, जिस पर उसने कब्जा कर लिया है और अगर मास्को 'न्यायसंगत शांति' पर सहमत होता है तो उसे वापस कर देगा।

नेतन्याहू पर युद्ध लंबा खींचने का आरोप

शांति वार्ता से पीछे हटा हमास

एजेंसी | दोहा

इजराइल और कुख्यात आतंकवादी समूह हमास के बीच गाजा में छिड़े युद्ध से चिंतित दुनिया तमाम कोशिशों के बीच दोनों को शांत नहीं करा पा रही। इस दिशा में एक और कोशिश गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा या मिस्र की राजधानी काहिरा में होने वाली है। अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थ देशों की इस संघर्ष विराम वार्ता या शांति वार्ता पर सबकी नजर है। मगर हमास ने साफ कर दिया है कि वह इस वार्ता में हिस्सा नहीं लेगा। हमास के नेताओं को नहीं लगता कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सरकार अच्छे विश्वास के साथ बातचीत कर रही है।

लेबनान में मौजूद हमास नेता अहमद अब्दुल हादी ने कहा है कि नेतन्याहू को ऐसे समझौते पर पहुंचने में कोई दिलचस्पी नहीं है जो आक्रामकता को पूरी तरह से समाप्त कर दे। वे युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, हमास का यह निर्णय अच्छा संकेत नहीं है। बावजूद इसके उसने सौदेबाजी की मेज को पूरी तरह से छोड़ा नहीं है। पूरे युद्ध के दौरान हमास नेताओं ने सीधे तौर पर इजराइली अधिकारियों से मुलाकात जरूर नहीं की पर मध्यस्थ के रूप में कार्य करने के लिए कतर और मिस्र पर भरोसा किया। इस समय भी हमास के कई प्रमुख नेता कतर में हैं। वह दोहा में मध्यस्थों के कार्यालयों से थोड़ी ही दूर पर रह रहे हैं।

नेतन्याहू ने आरोपों को किया खारिज

इस बीच इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हमास नेता के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने शांति वार्ता में गतिरोध के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि इजराइल वार्ता के लिए प्रतिनिधि भेजेगा। हमास के इस शांति वार्ता में हिस्सा न लेने के फैसले से अब यह तय नहीं है कि बैठक में मिस्र, इज़राइल और संयुक्त राज्य अमेरिका के शीर्ष खुफिया अधिकारियों के साथ-साथ कतर के प्रधानमंत्री शामिल होंगे या नहीं।

नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय समिति की बैठक में सदस्यों ने की मांग

नेपाल में फिर से गूंजा हिंदू राष्ट्र बनाने का मुद्दा

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल की प्रतिनिधि सभा में सर्वाधिक सदस्यों वाली पार्टी नेपाली कांग्रेस के भीतर एक बार फिर देश को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग उठने लगी है। पार्टी की केंद्रीय समिति की काठमांडू में जारी बैठक में कई सदस्यों ने नेपाल को जल्द ही हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग की है।

नेपाली कांग्रेस के मुख्यालय में जारी केंद्रीय समिति की बैठक में अधिकतर सदस्यों ने नेपाल के संविधान में संशोधन कर देश को हिंदू राष्ट्र घोषित किए जाने की मांग की। पार्टी नेताओं ने कहा कि सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते और सत्ता में सहभागी होने के नाते भी नेपाली कांग्रेस का यह फर्ज है कि वो हिंदू राष्ट्र घोषित करने को लेकर पहल करे। इन सदस्यों ने कहा कि नेपाल में बांग्लादेश जैसी परिस्थिति नहीं आने देने के लिए देश को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाना चाहिए।

पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. शेखर कोईराला ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदू धर्मावलंबियों पर आक्रमण किए जा रहे हैं वह इस क्षेत्र के लिए चिंता का विषय है। नेपाल में इस तरह की परिस्थिति नहीं आए इसके लिए आवश्यक है कि देश को हिंदू राष्ट्र घोषित कर दिया जाए। उन्होंने कहा कि पार्टी की महासमिति की बैठक में उपस्थित 1300 में से 1100 से अधिक सदस्यों ने हिंदू राष्ट्र की मांग के समर्थन में हस्ताक्षर किया था इसलिए केंद्रीय समिति की बैठक में उस प्रस्ताव को पारित किया जाना चाहिए। केंद्रीय समिति के सदस्य शंकर भंडारी ने हिंदू राष्ट्र की मांग का समर्थन करते हुए कहा कि इसकी घोषणा का यही सबसे उपयुक्त समय है। उन्होंने कहा कि देश में संविधान संशोधन की मांग उठाई जा रही है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमले पर चुप ना रहे सरकार

नेपाल के सत्तारूढ़ दल के कुछ सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदुओं एवं अन्य अल्पसंख्यकों पर हुए हमलों को लेकर अपनी सरकार के मौन पर सवाल उठाया है। सांसदों ने नेपाल सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आने पर भी दुख जताया और कहा कि सरकार को इस मामले में चुप नहीं रहना चाहिए। सत्तारूढ़ दल के कई सदस्यों ने प्रतिनिधिसभा में बांग्लादेश के ताजा घटनाक्रम का मुद्दा उठाते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट किया। उन्होंने इस मुद्दे पर जल्द सर्वदलीय बैठक बुलाकर सरकार की तरफ से बयान जारी करने की मांग की। नेपाली कांग्रेस के सांसद अर्जुनसिंह केसी ने कहा कि अल्पसंख्यक हिंदुओं और बौद्धों पर हमले पर सरकार को चुप नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह समय चुप रहने का नहीं बल्कि हिंदुओं पर हो रहे हमलों पर बोलने का है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं और बौद्धों के पक्ष में हम सभी को एकजुटता दिखानी चाहिए ताकि उनके खिलाफ किया जा रहा दमन रुक सके। सीपीएन-यूएमएल के सांसद किरण कुमार साह ने कहा कि हमें बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा पर चुप नहीं रहना चाहिए।

मुठभेड़ में चार सैनिक और छह आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में एक मुठभेड़ में चार सैनिक और छह आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा, इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने कहा कि प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। सुरक्षा बलों ने आतंकियों पर फायरिंग की, जिसमें छह आतंकवादियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि भीषण गोलीबारी में चार सैनिक भी अपना जान गंवा बैठे।

इजराइली ड्रोन का उत्तरी वेस्ट बैंक में अटैक

इजराइली सेना के हमले में पांच की मौत

एजेंसी | रामल्लाह

उत्तरी वेस्ट बैंक के तुबास शहर और तम्मुन शहर में बुधवार को इजराइली सेना के हमले में पांच फिलिस्तीनियों की मौत हो गई।

एक रिपोर्ट में कहा कि तुबास शहर के दक्षिण-पूर्व में तम्मुन में इजराइली ड्रोन ने युवाओं के एक समूह पर बमबारी की, जिसमें चार फिलिस्तीनियों की मौत हो गई, जबकि पांचवें व्यक्ति की हत्या तब हुई जब इजराइली बलों ने तुबास में सुबह उसके घर को घेर लिया था। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि जॉर्डन घाटी क्षेत्र में आतंकवाद विरोधी गतिविधि के भाग के रूप में एक विमान ने तम्मुन शहर में कई सशस्त्र आतंकवादियों पर हमला किया।

वेस्ट बैंक के शहरों, गांवों, कस्बों और शरणार्थी शिविरों में 7 अक्टूबर, 2023 से फिलिस्तीनियों और इजराइलियों के बीच तनाव बढ़ रहा है, जब से हमास-इजरायल संघर्ष शुरू हुआ है।

राजनीतिक संकट

थाईलैंड के पीएम श्रेथा को किया बर्खास्त

एजेंसी | बैंकॉक

थाईलैंड की संवैधानिक अदालत ने बुधवार को प्रधानमंत्री श्रेथा थाविसिन को अपने मंत्रिमंडल में जेल जा चुके पूर्व वकील को नियुक्त करने के लिए बर्खास्त कर दिया है। रियल एस्टेट टाइकून श्रेथा बीते 16 वर्षों में चौथे थाई प्रधानमंत्री हैं, जिनका अदालत के फैसले की वजह से पद गया है।

कोर्ट ने कहा है कि श्रेथा ने नैतिक मानकों को पूरा नहीं करने वाले शख्स को मंत्री को नियुक्त करके संविधान का उल्लंघन किया है। अदालत के फैसले के बाद पीएम के हटने से देश में राजनीतिक उथल-पुथल बढ़ने और सत्तारूढ़ गठबंधन में फेरबदल की आशंका बढ़ गई है। थाईलैंड में फिलहाल उपप्रधानमंत्री फुमथम वेचयाचाई के कार्यवाहक पीएम के तौर पर कार्यभार संभालने की उम्मीद है। रिपोर्ट के मुताबिक, श्रेथा ने शिनावात्रा के पूर्व वकील पिचिट चुएनबान की कैबिनेट में नियुक्ति को बरकरार रखा था, जिन्हें 2008 में अदालत के कर्मचारियों को रिश्वत देने से जुड़े केस में अदालत की अवमानना के लिए कुछ समय के लिए जेल भेजा गया था। हालांकि उन पर रिश्वतखोरी का आरोप साबित नहीं हुआ था। इसके बावजूद आरोप लगाया गया कि श्रेथा ने पिचिट चुएनबान को कैबिनेट पद पर नियुक्त करके संविधान का उल्लंघन किया है।

मुश्किल दौर में है थाईलैंड

श्रेथा को थाईलैंड का पीएम बने अभी एक साल भी नहीं हुआ था। सत्ता में एक साल से भी कम समय के बाद श्रेथा को हटाने का मतलब है कि नया प्रधानमंत्री चुनने के लिए संसद का सत्र बुलाना होगा। दो दशकों से तख्तापलट और अदालती फैसलों की वजह से कई सरकारें गिरी हैं। एक बार फिर देश में राजनीतिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है। श्रेथा की फू थाई पार्टी और उनके पूर्ववर्तियों को थाईलैंड की उथल-पुथल का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में लगातार थाईलैंड में सरकारों को बदला गया है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl